ओमिक्रोन वैरिएंट की वजह से देश में तेज मगर छोटी हो सकती है तीसरी लहर

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 16 दिनांक: 27-12-2021 सोमवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

नगालैंड सरकार ने रविवार को जानकारी दी कि प्रदेश में अफस्पा को वापस लेने की जांच के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा।

ओमिक्रोन वैरिएंट की वजह से देश में तेज मगर छोटी हो सकती है तीसरी लहर

नई दिल्ली। ओमिक्रोन वैरिएंट की वजह से आने वाली कोरोना की तीसरी लहर तेज मगर छोटी हो सकती है। पूरी दुनिया में ओमिक्रोन वैरिएंट के संक्रमण रखने वाले स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रोन संक्रमण के घटते मामले इसके संकेत दे रहे है। पहली बार ओमिक्रोन वैरिएंट की पहचान होने के तीन हफ्ते के भीतर संक्रमण दर पीक पर पहुंच गया और अब इसमें लगातार गिरावट आ रही है। ध्यान देने की बात है कि दक्षिण अफ्रीका ने 24 नवंबर को कोरोना के ओमिक्रोन वैरिएंट की जानकारी दी थी और उसके दो दिन बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे वैरिएंट आफ कंसर्न घोषित कर दिया। ओमिक्रोन वैरिएंट की वजह से आने वाली कोरोना की तीसरी लहर तेज मगर छोटी हो सकती है। पूरी दुनिया में ओमिक्रोन वैरिएंट के संक्रमण रखने वाले स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रोन संक्रमण के घटते मामले इसके संकेत दे रहे है।

उस समय दक्षिण अफ्रीका में प्रतिदिन लगभग 1300 कोरोना के नए मामले आ रहे थे। अगले तीन हफ्ते में इसमें तेजी से इजाफा हुआ और 12 दिसंबर को यह 37 हजार के आंकड़ा को पार गया। दक्षिण अफ्रीका में एक दिन में कोरोना के इतने मामले कभी नहीं देखे गए थे। लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के नए केस में लगातार गिरावट आ रही है और पिछले कुछ दिनों से लगभग 14 हजार के आसपास सिमट गया है। अन्य अफ्रीकी देशों में भी यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वैसे अभी अमेरिका और यूरोपीय देशों में ओमिक्रोन संक्रमण का पीक देखने को नहीं मिला है। लेकिन जिस तरह से वहां नए मामलों में बेहताशा बढ़ोतरी हुई है, वह दक्षिण अफ्रीका की तरह के हालात की पुष्टि कर रहे हैं। उनके अनुसार अमेरिका में दो दिसंबर को ओमिक्रोन का पहला मामला सामने आया और तीन हफ्ते में वहां एक दिन में संक्रमितों की संख्या दो लाख 67 से अधिक पहुंच गई। इसी तरह ब्रिटेन में एक दिन में एक लाख 22 हजार तक मामले सामने आ रहे हैं। अमेरिका में नए मामले में 73 फीसद से अधिक ओमिक्रोन के आ रहे हैं। जाहिर है यदि इसी तरह से ओमिक्रोन का संक्रमण फैलता रहा तो वह बहुत जल्द अधिकांश जनसंख्या तक पहुंच जाएगा और उसके बाद नए मामलों में गिरावट आनी शुरू हो जाएगी।

भारत में पहली और दूसरी लहर की तुलना करते हुए वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मार्च में नए मामलों की संख्या बढ़नी शुरू हुई थी और यह 17 सितंबर तक अपने पीक तक पहुंच गई थी। वहीं अधिक तेजी से फैलने वाले डेल्टा वैरिएंट की वजह से दूसरी लहर में 15 फरवरी के आसपास नए मामलों की संख्या बढ़नी शुरू हुई और सात मई को यह चरम पर पहुंच गया, जब एक दिन में चार लाख से अधिक मामले सामने आए थे। ओमिक्रोन वैरिएंट को डेल्टा की तुलना में पांच गुना तक अधिक संक्रामक माना जा रहा है। इससे यदि जनवरी में तीसरी लहर की शुरूआत भी होती है, तो वह फरवरी तक पीक पर पहुंच कर कम होनी शुरू हो जाएगी। सबसे बड़ी बात यह है कि ओमिक्रोन वैरिएंट के तेजी से बढ़ते मामलों के बावजूद दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन या अमेरिका में अस्पतालों में भर्ती होने वालों की संख्या में उस अनुपात में बढ़ोतरी नहीं देखी गई है। दक्षिण अफ्रीका में तो ओमिक्रोन की लहर बिना किसी लाकडाउन के ही उतार पर आ गया। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ओमिक्रोन को लेकर दुनिया भर से आ रहे संकेत राहत दे रहे हैं, लेकिन यह देखना होगा कि भारतीयों के जिनोम में यह वैरिएंट किस तरह से अपना रंग दिखाता है।

पंजाब में किसानों का रेल रोको आंदोलन जारी

-बेरोजगारी, नशे व अन्य मसले हल करवाना बाकी

अमृतसर(ईएमएस)। किसान मजदूर संघर्ष समिति पंजाब के जनरल सकत्तर श्रवण सिंह पंधेर, राज्य दफ्तर सकत्तर गुरबचन सिंह चब्बा, रणजीत सिंह कलेरबाला ने रेल रोको आंदोलन के 7वें दिन रेलवे ट्रैक देविदासपुर में जलसा को संबोधन करते कहा कि आए दिन खुदकुशी कर रहे किसान मजदूरों की जान बचाई जा सकती हैं। पंजाब में बेरोजगारी, नशे व अन्य बहुत से मसले हल करवाना अभी बाकी हैं इन्हें संघर्ष कर ही हल करवाया जा सकता है।

नेताओं ने कहा कि जत्थेबंदी अपने विधान अनुसार चुनावों में हिस्सा नहीं लेगी। नेताओं ने आगे बताया कि कुछ मांगें सरकार लागू कर रही है और बाकी मांगों पर संघर्श जारी है। आज जत्थेबंदी की तरफ केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर के दिए बयान कि वह एक कदम पीछे हटे हैं, कुछ समय बाद दोबारा आगे बढ़ेंगे और काले कृषि कानून दोबारा लाने के बयान का सख्त शब्दों में विरोध किया और रेलवे ट्रैक पर नरेंद्र तोमर का पुतला फूंका। साथ ही सरकार को चेतावनी दी कि सरकार दोबारा कृषि विरोधी कदम उठाने के सपने न लें देश भर के किसान मजदूर इन कानूनों के खिलाफ डट कर खड़े हैं और सरकार के लोक के यह इरादे कामयाब नहीं होने देंगे। कल प्रसासन की तरफ से शहीद परिवारों को मुआवजे के चैक दिए गए और तीन नौकरियां भी दीं ज्यादातर अभी बाकी हैं। इस मौके पर जिला नेता जरमनजीत सिंह बंडाला, गुरलाल सिंह मान, डा:कंवरदलीप सिंह, मंगजीत सिंह सिद्धवां आदि नेताओं ने भी संबोधन किया।

60 वर्ष से अधिक के लोगों को बीमारी प्रमाणपत्र देने पर लगेगी वैक्सीन की अतिरिक्त डोज

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के चीफ एक्जीक्यूटिव आफिसर (सीईओ) और कोविन प्लेटफार्म के कामकाज के प्रमुख डा. आरएस शर्मा ने कहा है कि कोरोना टीके की अतिरिक्त (प्रीकाशन) डोज लगवाने के लिए 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को अपनी गंभीर बीमारी (कोमोर्बिडिटीज) का प्रमाणपत्र दिखाना होगा। डा. शर्मा ने बताया कि टीके की अतिरिक्त डोज लगवाने के लिए इस प्रमाणपत्र के अलावा बाकी प्रक्रिया पहले की तरह है। कोविन एप में सभी विवरण हैं। जो लोग दो डोज लगवा चुके हैं, वे अपनी गंभीर बीमारी का प्रमाणपत्र लेकर तीसरी डोज लगवाने जा सकते हैं या उसे अपलोड भी कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रमाणपत्र पर किसी भी पंजीकृत चिकित्सक के हस्ताक्षर होने चाहिए। डा. शर्मा ने आगे कहा कि जब गंभीर बीमारियों से पीडित 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीके लगाए जा रहे थे तो जिन बीमारियों को प्रकाशित किया गया था, उन्हीं बीमारियों के लिए अब प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी। कोमोर्बिटिडी यानी गंभीर रोग वाली 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग आबादी को कोरोना वैक्सीन की प्रीकाशनरी डोज लेने के लिए चिकित्सा प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी जो उन्हें टीका लगवाते समय दिखाना होगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डा. आरएस शर्मा ने इसकी जनाकारी दी।

इसमें 20 गंभीर बीमारियां शामिल हैं जिनमें डायबिटीज, किडनी डिजीज या डायलिसिस, कार्डियोवस्कुलर डिजीज, स्टेमसेल ट्रांसप्लांट, कैंसर, सिरोसिस, सिकल सेल डिजीज, स्टेरायड या इम्युनोसप्रेसेंट का लंबे समय से इस्तेमाल, मस्क्यूलर डिस्ट्राफी/ श्वसन प्रणाली की संलिप्ता के साथ एसिड अटैक/ अधिक मदद की जरूरत वाले दिव्यांग/ सुनने-देखने में असमर्थ समेत कई अक्षमताओं वाले दिव्यांग और पिछले दो साल में गंभीर श्वसन संबंधी बीमारी जिसमें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ी हो आदि शामिल हैं। अतिरिक्त टीका लगवाने वाले लाभार्थियों को इसका प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार रात राष्ट्र के नाम संबोधन में गंभीर बीमारियों से पीड़ित 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 10 जनवरी से टीके की अतिरिक्त डोज लगाने का एलान किया था।

विदेशी कंपनियों ने कोवैक्सीन की राह में अटकाए रोड़े, सीजेआई ने की भारत बायोटेक की तारीफ

हैदराबाद (ईएमएस)। भारत की बनाई गई कोरोना वैक्सीन की मान्यता के रास्ते में बहुत से रोड़े अटकाए गए। मल्टीनेशनल कंपनियों ने इसको मान्यता मिलने से रोकने की कोशिशें कीं। इसको लेकर डब्लूएचओ से शिकायत भी की गई।

हैदराबाद में रोमिनेनी फाउंडेशन पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एनवी रमन्ना ने कहा कि कोरोना की देसी वैक्सीन कोवैक्सीन को बदनाम करने की खूब कोशिश की गई। इस मुहिम में फाइजर से लेकर तमाम विदेश कंपनियां शामिल थीं। उन्होंने कहा भारत में बनी वैक्सीन को मान्यता देने से रोकने के लिए डब्लूएचओ तक में शिकायत की गई।

जस्टिस रमन्ना ने भारत बायोटेक के संस्थापकों कृष्णा एला और सुचित्रा एला को फाउंडेशन की तरफ से सम्मानित किया। इस दौरान सीजेआई ने इन दोनों की तारीफ की। उन्होंने कहाकि इन दोनों ने देश को काफी मजबूती दी जिसकी वजह से टीकाकरण में भारत यह मुकाम हासिल कर सका।

जस्टिस रमन्ना ने कहा सभी तेलुगु लोगों को इस वैक्सीन को बनाने वाली हमारी तेलुगु कंपनी की महानता के बारे में दुनिया को बताने के लिए आगे आना चाहिए। गौरतलब है कि कोवैक्सीन की मंजूरी में लंबा समय लगा था। सीजेआई इसी पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत बायोटेक ने संकट के समय में देश की महत्वपूर्ण सेवा की है। इसके लिए उसे हमेशा याद रखा जाएगा।

अब किसानों के आंदोलन के लिए 13 महीने की ट्रेनिंग होगी - राकेश टिकैत

नई दिल्ली (ईएमएस)। किसान आंदोलन के अगुआ रहे किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि किसान चार महीनों की छुट्टी पर गए हैं। साथ ही उन्होंने संयुक्त किसान मोर्चा के चुनाव लड़ने पर भी स्थिति साफ की।

राकेश टिकैत ने कहा, ठना ही किसान कहीं गए है, ना सरकार कहीं गई है। अब किसानों के आंदोलन के लिए 13 महीने की ट्रेनिंग होगी। संयुक्त किसान मोर्चा कोई चुनाव नहीं लड़ रहा है। 15 जनवरी को हमारी बैठक है। आंदोलन अभी सिर्फ स्थगित हुआ है, जो किसान गए हैं वो चार महीने की छुट्टी पर गए हैंठ

वहीं कल राकेश टिकैत ने भरतपुर संस्थापक महाराजा सूरजमल के बलिदान दिवस कार्यक्रम में शिरकत की थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के किसानों की जो मांग थी वह पूरी हो गई और किसानों की जीत हो गई है। हमें चुनाव लड़ना नहीं है बल्कि सड़कों पर आंदोलन करना है। टिकैत ने कहा आगे कहा कि किसान किंग नहीं बल्कि किंग मेकर होते हैं। किसान जिसको चाहेगा उसकी ही सरकार बनेगी। किसानों को जो नजरअंदाज करेगा वह सत्ता के गलियारों से हमेशा दूर रहेगा। किसानों के एकजुटता और सरकार के खिलाफ दिल्ली के बॉर्डर पर डटे रहने के कारण ही तीन कृषि कानूनों को वापस लिया गया है।

'धर्म संसद' में भड़काऊ भाषण देने पर दर्ज एफआईआर में जोड़े गए 2 और नाम

हरिद्वार (ईएमएस)। उत्तराखंड के हरिद्वार में हुई 'धर्म संसद' में दिए गए विवादित बयानों को लेकर दर्ज कराई गई एफआईआर में अब दो नाम और बढ़ा दिए गए हैं। वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी के बाद दो संत महामंडलेश्वर धर्मदास और महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती भी केस दायरे में आ गए हैं। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। उधर, संत समाज में इस कार्रवाई को लेकर रोष बढ़ता जा रहा है। ज्ञात हो कि हरिद्वार में बीते 17 से 19 दिसंबर को धर्म संसद का आयोजन किया गया था। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी की अध्यक्षता में आयोजित धर्म संसद में साधु-संतों ने अल्पसंख्यकों को निशाना बनाते हुए कई भाषण दिए थे।

बताया जाता है कि लगातार सामने आ रहे वीडियो और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस एफआईआर में नाम बढ़ाती जा रही है। हरिद्वार कोतवाली पुलिस ने दंड संहिता की धारा 153 ए के तहत केस दर्ज किया है। एफआईआर में नाम बढ़ाए जाने से संत समाज में आक्रोश पनपता जा रहा है। हालांकि संत समाज इससे भयभीत नहीं है, बल्कि संतों का कहना है कि अगर उनको जेल में डाला जाएगा, तो वे सजा काटने को भी तैयार हैं।

संतों ने अपनी सफाई में कहा है कि हमारे भाषण आम मुसलमान या आम लोगों के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि मुस्लिम जिहादियों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि अदालतों में विचार और फैसला किया जाए कि बहुसंख्यक समाज अगर कुछ बोलता है तो उस पर एफआईआर दर्ज हो जाती है और अल्पसंख्यक कुछ भी बोलते हैं तो उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने कहा कि निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती जी अैर महामंडलेश्वर धर्मदास जी पर भी एफआईआर दर्ज हुई है। यह बहुत ही दुखद है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि षडयंत्रकारी वामपंथियों और कांग्रेसियों के दबाव में सरकार आती जा रही है। सरकार सत्य के लिए लड़ने वालों को परेशान करना चाहती है। मैं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगा कि वे इस अन्याय को रोकें। उन्होंने कहा कि धर्म संसद किसी एक व्यक्ति का प्रयास नहीं था, यह बहुत बड़ी धर्म संसद थी और बहुत बड़ी संख्या में महात्माओं ने आकर अपने विचार रखे, यदि कोई सोचता है कि केस दर्ज करवाकर हमारी जुबान बंद करवा देगा, तो यह उसकी गलतफहमी है। हम इस लड़ाई को आगे जारी रखेंगे।

शंकराचार्य परिषद के अध्यक्ष स्वामी आनंद स्वरूप का कहना है कि यह शर्मनाक है कि हरिद्वार हमारी तीर्थ नगरी है और उसमें बैठकर हम धर्म रक्षा की बात नहीं कर सकते हैं। धर्म संसद में बातें धर्म रक्षा की हुई हैं। उन्होंने कहा हम अपने उन बयानों पर कायम हैं। अगर कोई हमारी बहन का रेप करे तो क्या हम उसे मार नहीं डालेंगे?

आम आदमी पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए 15 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी ने रविवार को पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए 15 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी। पार्टी पंजाब की कुल 117 विधानसभा सीटों में से अब तक कुल 73 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है। आम आदमी पार्टी ने खन्ना से तरुनप्रीत सिंह सोन्ध को उम्मीदवार बनाया है। श्री फतेहगढ़ साहिब से लखबीर सिंह राय उम्मीदवार बनाए गए हैं। संगरूर से नरिंदर कौर भरज चुनाव लड़ेंगी। इससे दो दिन पहले भी पार्टी ने 18 और उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया था। पंजाब विधानसभा चुनाव में पार्टी ने ज्यादातर नामों की पहले ही घोषणा करने की रणनीति बनाई है, ताकि प्रत्याशियों को जनसंपर्क का ज्यादा से ज्यादा मौका मिल सके। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल भी पंजाब के कई बार दौरे कर चुके हैं। उन्होंने महिलाओं को 1000 रुपये देने जैसी कई घोषणाएं की हैं।

गुलाम नबी आजाद ने कहा है कि वे 24 कैरेट कांग्रेसी

जम्मू (ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने कहा है कि वे 24 कैरेट कांग्रेसी हैं। कांग्रेस से नाराजगी पर गुलाम नबी आजाद ने कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं है, वे पार्टी के कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए काम कर रहे थे, इस दौरान पार्टी में सुधार पर भी बात की है।

जम्मू के बाहरी इलाके खुर के सीमावर्ती इलाके में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद मीडिया से बात करते हुए आजाद ने कहा कि सुधार एक गतिशील प्रक्रिया है और लोगों के लाभ के लिए यह हर पार्टी, समाज और पूरे देश के लिए जरूरी है।

आजाद ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह तरह ही कांग्रेस पार्टी छोड़ने की अटकलों के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में कहा 'मैं कांग्रेसी हूं। आपसे किसने कहा कि मैं कांग्रेसी नहीं हूं? मैं 24 कैरेट कांग्रेस हूं। अगर 18 कैरेट 24 कैरेट को चुनौती दे रहा है तो क्या फर्क पड़ता है?'

पिछले साल पार्टी में संगठनात्मक बदलाव की मांग करने वाले 23 कांग्रेसी नेताओं में शामिल आजाद ने कहा कि वह पार्टी से नाराज नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'विभाजन करने वाले दलों को केवल विभाजन दिखाई देता है। हम ही लोगों को जोड़ रहे हैं। हम एकता (पार्टी रैंकों में) बना रहे हैं क्योंकि हम एकजुट करने के लिए हैं।'

संगठन में सुधारों के उनके जोर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हर पार्टी, हर समाज और देश में सुधारों की जरूरत है। उन्होंने कहा, ठसुधार एक सतत प्रक्रिया है और हर पार्टी के लिए जरूरी है। विधायिका भी एक तरह का सुधार है। अतीत की कई बुराइयां आज समाज में सुधारों के कारण नहीं हैं।'

नगालैंड से हटेगा अफस्पा शाह की मीटिंग में कमिटी बनाने का फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। नगालैंड सरकार ने रविवार को जानकारी दी कि प्रदेश में अफस्पा को वापस लेने की जांच के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। इस संबंध में बीती 23 दिसंबर को गृह मंत्री अमित शाह ने नागालैंड में वर्तमान परिदृश्य पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की थी। इस बैठक में नागालैंड के सीएम, असम के सीएम और अन्य ने भाग लिया था। रविवार को नगालैंड सरकार ने जानकारी दी कि 23 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में कई महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की गई। जिसमें प्रदेश में अफस्पा को हटाने की बात हुई है। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगालैंड में अफस्पा को वापस लेने के लिए एक समिति का गठन का किया जाएगा। ये समिति इसकी जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट 45 दिनों में देगी। नगालैंड सरकार ने अपने बयान में कहा कि समिति का प्रमुख काम प्रदेश से अशांत क्षेत्र और अफ्सपा को वापस लेना इसकी सिफारिशों पर आधारित होगा। गृह मंत्री अमित शाह और नगालैंड सरकार के बीच हुई बैठक में तीन सप्ताह पहले हुई फायरिंग पर भी चर्चा की गई। फायरिंग की घटना में सीधे तौर पर शामिल सैन्य इकाई और सैन्य कर्मियों के खिलाफ कोर्ट ऑफ इंक्वायरी द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी और तुरंत कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इस फायरिंग में 14 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी।

अगर दो हफ्ते इसी तरह कोरोना बढ़ता रहा तो देश में तीसरी लहर आनी निश्चित है - विशेषज्ञ

नई दिल्ली (ईएमएस)। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर दो हफ्ते इसी तरह कोरोना बढ़ता रहा तो देश में तीसरी लहर आनी निश्चित है। इसलिए सभी लोगों को सावधानी बरतने की जरुरत है। उधर, ये साल का आखिरी महीना है तो एक्सपर्ट्स न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर भी चिंतित हैं। उनका कहना है कि इन संभावनाओं के बीच देश में कोरोना महामारी का खतरा और बढ़ सकता है।

महामारी विशेषज्ञ और स्वास्थ्य प्रणाली विशेषज्ञ डॉ. चंद्रकांत लहरिया का मानना है, ठआगामी एक और दो सप्ताह में कोरोना केस की वृद्धि यह स्पष्ट कर देगी कि देश में कोरोना की नई लहर आएगी या नहीं? फिलहाल मुंबई जैसे महानगर के अधिकारियों को कोरोना महामारी को लेकर सचेत रहने की जरुरत हैठ

डॉ. लहरिया ने कहा कि इस वक्त देश में कोरोना महामारी को लेकर अलग ही माहौल है, दिल्ली और मुंबई में कोरोना केस में बढ़ोत्तरी हुई है लेकिन अगर देश के आंकड़ों की बात करें तो ये आंकड़ा उतना खतरनाक नहीं लगता। हालांकि ये आंकड़े फिर भी डराने वाले हैं।

केएल राहुल का शतक, भारत के 3 विकेट पर 272 रन

सेंचुरियन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 90 ओवर में 3 विकेट खोकर 272 रन बनाए। भारत के ओपनर केएल राहुल 122 रन पर नाबाद खेल रहे हैं। मयंक अग्रवाल 123 गेंदों में नौ चौके की सहायता से 60 रन बनाने के बाद लुंगी एन्गिडी द्वारा एलबीडब्ल्यू कर दिए गए। चेतेश्वर पुजारा को भी लुंगी एन्गिडी ने बिना खाता खोले पीटरसन के हाथों कैच करा दिया। विराट कोहली भी 94 गेंदों में चार चौकों की सहायता से 35 रन बनाने के बाद लुंगी एन्गिडी का शिकार बने उन्हें मल्डर ने कैच किया। पहले दिन का खेल खत्म होने तक अजिंक्य रहाणे 40 और केएल राहुल 122 रन बनाकर खेल रहे थे।

कार्टून कोना

इमरान खान ने दक्षेस शिखर सम्मेलन की मेजबानी की उम्मीद जताई

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने दक्षेस शिखर सम्मेलन की मेजबानी की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि ुमरर्ड है कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) के शिखर सम्मेलन के रास्ते में आने वाली 'कृत्रिम बाधा' के दूर होने के बाद उनका देश इस सम्मेलन की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के अनुसार खान ने दक्षेस के महासचिव एसाला रुवन वीराकून के साथ अपनी बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। वीराकून ने यहां प्रधानमंत्री से शिष्टाचार भेंट की।' वीराकून के साथ अपनी बैठक के दौरान खान ने आपसी हित के लक्ष्यों और दक्षेस घोषणा में निहित उद्देश्यों के लिए काम करने की पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दोहराया।

दक्षेस अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका का एक क्षेत्रीय समूह है।

वर्ष 2016 से यह बहुत प्रभावी नहीं रहा क्योंकि 2014 में काठमांडू में आयोजन के बाद यह द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन नहीं हुआ है। मूल रूप से 2016 का दक्षेस शिखर सम्मेलन 15-19 नवंबर, 2016 को इस्लामाबाद में आयोजित होने वाला था। लेकिन उस वर्ष 18 सितंबर को जम्मू कश्मीर के उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर आतंकवादी हमले के बाद भारत ने ''मौजूदा परिस्थितियों'' के कारण शिखर सम्मेलन में भाग लेने में असमर्थता जताई।

बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान के भी इस्लामाबाद में बैठक में भाग लेने से इनकार करने के बाद शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया था।

हथौड़ा, गैस कटर, वेल्डिंग मशीन की मदद से खोजी जा रही इत्र कारोबारी की काली कमाई, 36 घंटे से सर्च जारी

कन्नौज (ईएमएस)। खुशबू के कारोबार से होने वाली काली कमाई बरामद करने के लिए विजिलेंस की टीमें कानपुर से लेकर कन्नौज तक सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं। कानपुर में दो दिनों की पड़ताल में करोड़ों की रकम बरामद हुई है। कन्नौज में भी इसी तरह का खजाना होने की संभावना में पिछले 36 घंटे से तलाशी अभियान जारी है। खजाना हासिल करने के लिए विजिलेंस की टीम को ताला तोड़ने के कारीगर, हथौड़ा, गैस कटर और वेल्डिंग मशीन की मदद लेनी पड़ी है।

इत्र कारोबारी पीयूष जैन के गुप्त खजाने में कितनी रकम का भंडार है, इसे पता करने के लिए अहमदाबाद से आई जीएसटी की विजिलेंस टीम के अफसर पिछले तीन दिनों से जुटे हैं। कन्नौज स्थित पैतृक आवास पर पिछले 36 घंटे से तलाश जारी है। शुक्रवार की शाम चार बजे से शुरू हुई जांच-पड़ताल शुक्रवार की रात के बाद शनिवार पूरे दिन और पूरी रात तक चलती रही। जांच को लेकर अफसर कितने संजीदा हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि न सिर्फ कागजी गट्ठर तलाशे जा रहे हैं, बल्कि मकान के अंदर की अलमारियां, लॉकर, बक्से भी तलाशे जा रहे हैं। इनका ताला आसानी से खुलता है तो ठीक, नहीं तो दूसरा तरीका आजमाने में कोताही नहीं की जा रही है।

टीम के सदस्य ताला तोड़ने के लिए अलग-अलग समय में कई कारीगरों को बुलवा चुके हैं। इसके अलावा अलग-अलग समय पर कई बार मकान के अंदर से हथौड़ा चलने की आवाज भी आती रही है। शनिवार सुबह गैस कटर और वेल्डिंग मशीन भी मंगवाई गई। घर के अंदर से इन दोनों मशीनों के चलने की तेज आवाज बाहर तक आती रही। शुक्रवार को कई बार इन मशीनों का इस्तेमाल किया गया।

हालांकि विजिलेंस टीम की ओर से अधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन अंदर से छनकर बाहर आई खबर के मुताबिक पीयूष जैन के मकान के अंदर रखे करीब डेढ़ दर्जन लॉकर की तलाशी ली गई है। उनमें से जिनका ताला आसानी से नहीं खुल सका उनपर हथौड़े चलाने और गैस कटर के इस्तेमाल से परहेज नहीं किया गया।

विजिलेंस टीम को पीयूष जैन के मकान के अंदर अलग-अलग कई झोलों में चाबियां रखी मिलीं। ताला तोड़ने वाले एक कारीगर ने बताया कि करीब 300 चाबियां हैं। उन्हें लगाकर ताला खोलने में परेशानी हो रही है। जो ताला काफी कोशिश के बाद भी नहीं खुल रहा है, उन्हीं को तोड़ा जा रहा है।

मुजफ्फरपुर में बड़ा हादसा, कुरकुरे-नूडल्स फैक्ट्री में बॉयलर फटने से 10 लोगों की मौत, कई घायल

मुजफ्फरपुर (ईएमएस)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक बड़ा हादसा हो गया है। यहां बेला औद्योगिक क्षेत्र में रविवार को मोदी कुरकुरे और नूडल्स फैक्ट्री में बॉयलर फट गया। इससे 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। वहीं बड़ी संख्या में लोग घायल हैं। आसपास की फैक्ट्रियों के लोगों के भी घायल होने की सूचना है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी-डीएम सहित जिले के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। मरने वालों की संख्या बढ़ सकता है।

रविवार की सुबह एक स्नैक्स फैक्ट्री में हुई बड़ी दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। इस घटना पर सीएम नीतीश कुमार ने शोक संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही उन्होंने मृतक के आश्रितों के लिए चार-चार लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की है। बेला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-टू स्थित एक स्नैक्स फैक्ट्री में रविवार की सुबह करीब आठ बजे बायलर फट गया। इससे जान-माल की काफी क्षति हुई है। अभी तक 08 मजदूरों के क्षत-विक्षत शव निकाले जा चुके हैं, जबकि आधा दर्जन घायलों को श्री कृष्ण मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। वहां पहुंचने के बाद 03 घायल ने दम तोड़ दिया। राहत एवं बचाव का कार्य जारी है। डीएम, एसएसपी समेत तमाम पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। हालांकि एसएसपी जयंतकांत ने छह लोगों के मरने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि हादसे के शिकार अधिकतर लोग दैनिक वेतनभोगी बताए जा रहे हैं। व्यापक पैमाने पर राहत व बचाव का काम चल रहा है। घायलों को एसकेएमसीएच पहुंचाया गया है। मरने वालों की संख्या के और बढ़ने से उन्होंने इंकार नहीं किया।

राज्य आपदा मोचक बल (एसडीआरएफ) भी पहुंच गया है। विस्फोट इतना तेज था कि फैक्ट्री से दूर चार से पांच किलोमीटर के क्षेत्र में भूकंप जैसा महसूस किया गया। पूरी फैक्ट्री मलबे में तब्दील हो गई है। आसपास की फैक्ट्रियों को भी काफी नुकसान हुआ है। फैक्ट्री एरिया को सील कर दिया गया है। नगर विधायक विजेंद्र चौधरी व मेयर राकेश कुमार भी पहुंचे हैं। अंशुल नूडल्स नामक फैक्ट्री में नूडल्स, स्नैक्स जैसे कई उत्पाद बनाए जाते थे। बताया जा रहा कि जब यह घटना हुई तब 25 मजदूर बायलर वाले कक्ष में मौजूद थे। शिफ्ट बदलने के दौरान साफ-सफाई का काम चल रहा था।

धमाका इतना जोरदार था की इसकी वजह से आसपास की धरती भी हिल गई। जिससे यहां के लोगों को भूकंप आने का अहसास हुआ। कुछ लोग तो अपने-अपने घरों से बाहर निकल गए। हालांकि बाद में पता चला कि बायलर फटने की वजह से धरती हिली है। इस घटना में कई लोगों के जख्मी होने की सूचना है। हालांकि अभी कहीं से भी इसकी पुष्टि नहीं हो पा रही है। घटना के वक्त फैक्ट्री के अंदर कितने लोग काम कर रहे थे, इसकी जानकारी भी अभी तक नहीं मिल सकी है। घटना की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम वहां पहुंच गई है। राहत व बचाव का काम तेज कर दिया गया है।

इस बीच ट्रैक्टरों से फैक्ट्री के गेट को बंद कर दिया है। आसपास के लोगों ने बताया कि पहले बॉयलर फटने की जोरदार आवाज हुई। चार किमी तक घर की खिड़की व दरवाजे तक हिल गए। पुलिस की टीम पहुंची है। उसके अंदर जाने के बाद ही पता चलेगा कि कितने लोगों की जान गई है। जिसके स्वजन इस जगह पर काम कर रहे हैं। वे यहां पहुंच गए हैं। सभी अपनों की खोज कर रहे हैं। जिसकी वजह से फैक्ट्री के आसपास अफरातफरी की हालत है। प्रशासन के अधिकारी लोगों को अंदर जाने से रोक रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद मेयर और विधाय

जन हितैषी

पंजाब में ब्लास्ट

चुनाव के मुहाने पर खड़े पंजाब में कुछ अप्रत्याशित सा होने लगा है। पिछले सप्ताह अचानक बेदअबी के दो मामले सामने आ गए। इससे पहले कि प्रदेश में बवाल मचता, सरकार ने इस मामले को किसी तरह से संभाल लिया। हालांकि अभी वह चिंगारी बुझी नहीं है और आज वीरवार को लुधियाना के अदालत परिसर में विस्फोट हो गया, जिसमें दो लोग मारे गए। कुछ लोग घायल भी हुए हैं। चुनाव के मुहाने पर पंजाब में ब्लास्ट अच्छा संकेत नहीं है। सीमावर्ती राज्य पंजाब में खालिस्तान को लेकर जनरल बाजवा का प्लान बहुत खतरनाक है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा, चुनाव की दहलीज पर खालिस्तान को दोबारा से जीवित करने में लगे हैं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को लगातार इस तरह के इनपुट मिल रहे हैं कि राज्य में खालिस्तान आंदोलन को बड़े स्तर पर हवा दी जा रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों की बयानबाजी और सीटों को लेकर हो रही मारामारी जनरल बाजवा को मौका दे सकती है। केंद्रीय जांच एजेंसी का कहना है कि पाकिस्तान की सेना के जनरल बाजवा और आईएसआई चीफ नदीम अंजुम, खालिस्तान के मुद्दे पर आगे बढ़ रहे हैं। मौजूदा दौर में पंजाब का चुनाव, जिस तरह के संकेत दे रहा है, उससे भारतीय खुफिया एजेंसियों की नींद उड़ी है। बेअदबी की दो घटनाएं, ये सामान्य मामला नहीं है। इन मामलों को लेकर प्रदेश के सियासतदान एक दूसरे पर हमलावर हैं, उसका फायदा पड़ोसी मुल्क उठा रहा है। अब लुधियाना के अदालत परिसर में विस्फोट हो जाता है। एनआईए जैसी जांच एजेंसियां, आईएसआई और खालिस्तान के नेटवर्क को तोडऩे में लगी हैं। विदेशों में बैठकर पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे खालिस्तानी आंदोलन के समर्थकों को कानूनी दायरे में लेने के लिए एनआईए की टीम कनाडा गई थी। सिख फॉर जस्टिस, जैसे खालिस्तानी संगठन द्वारा पंजाब के युवाओं को गलत मंशा से आर्थिक मदद दी जा रही है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल, खालिस्तान टाइगर फोर्स और खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स जैसे कई दूसरे संगठन भी सक्रिय हैं। ये सभी संगठन विदेशों में रह कर अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पिछले दिनों कनाडा के रहने वाले खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर के खिलाफ भारत में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के चलते आरोप पत्र दायर किया है। निज्जर, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का सदस्य रहा है। एमटीएसएस सेवाओं और हवाला चैनलों के जरिए वह भारत में अपने गुर्गों को पैसा भेजता था। उसने पाकिस्तान में अपने सहयोगियों से हथियारों और गोला-बारूद प्राप्त करने की कोशिश की थी। पंजाब में जिस तरह से राजनीतिक दल आपस में उलझे हैं, उससे आईएसआई और खालिस्तान समर्थकों की राह आसान हो गई है। ये दोनों संगठन, पंजाब चुनाव में बड़ा बवाल करा सकते हैं। इसमें दो समुदायों के बीच हिंसा कराना भी शामिल है। बेअदबी की घटना को इसी साजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। पंजाब में ड्रग्स केस के आरोपी अकाली नेता बिक्रम मजीठिया के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। यह मामला भी सामान्य नहीं है। इसके पीछे की कहानी लंबी है। खैर, अभी बिक्रम मजीठिया की गिर तारी बाकी है। संभव है कि जब पुलिस के हाथ उसके गिरेबान तक पहुंचें तो प्रदेश में तोडफ़ोड़ हो जाए। ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय एजेंसियों को जो अलर्ट मिले हैं, उसमें विस्फोट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और नेताओं पर हमला, आदि शामिल हैं। खास बात यह है कि पाकिस्तानी आईएसआई इन सब घटनाओं को अंजाम देने के लिए अपने आतंकी संगठनों का इस्तेमाल नहीं कर रही है। आईएसआई, खालिस्तानी संगठनों में नए युवाओं की भर्ती कर अपने मंसूबों को अंजाम देने की तैयारी में है। इसके लिए उसे चुनाव की मारामारी से बेहतर कुछ नजर नहीं आता। चुनावी माहौल में किसी भी वारदात को अंजाम देकर आईएसआई, साफ बच निकल सकती है। उसके पास दो बातें रहेंगी। एक, पाकिस्तान की जमीन पर मौजूद आतंकी संगठनों का इससे कोई लेना देना नहीं है। बिल्कुल उसी तरह, जैसे कश्मीर में पुराने आतंकी संगठनों के नए नाम से छोटे छोटे संगठन खड़े किए गए हैं। दूसरा, पाकिस्तान यह कह सकता है कि पंजाब के लोग खालिस्तान आंदोलन को चला रहे हैं। ये उनका आंदोलन है। इसमें दूसरे देश का कोई हस्तक्षेप नहीं है।

'स्वर्ग' पर कब्जें की नई चाल...!

जम्मू - कश्मीर में हिन्दू मुख्यमंत्री की तैयारी....?

भारतीय परिसीमन आयोग की मद्द से केन्द्र में सत्तारूढ़ नरेन्द्र मोदी सरकार इस धरती के 'स्वर्ग' अर्थात् जम्मू-कश्मीर पर राजनीतिक कब्जा कर सात दशक बाद वहां अपना हिन्दू मुख्यमंत्री तैनात करना चाहती है, वैसे देश में परिसीमन पर फिलहाल कानूनी रोक लगी हुई है, किंतु जम्मू-कश्मीर में परिसीमन कर सीटें बढ़ाने की संसद से प्रस्ताव पारित करवाकर अनुमति प्राप्त कर ली गई है, अभी तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की 83 सीटें थी, अब उसमें सात सीटों की वृद्धि कर यह आंकड़ा 90 किया जा रहा है, छः सीटें जम्मू में तथा एक सीट कश्मीर में बढ़ाने का प्रस्ताव है, ये सीटें कानूनी रूप से बढ़ने के बाद जम्मू की सीटों में बहुमत प्राप्त कर भाजपा जम्मू-कश्मीर की सरकार पर अपना कब्जा करना चाहती है। यदि भाजपा का यह सपना साकार हो जाता है तो फिर देश की आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में दूसरा हिन्दू मुख्यमंत्री होगा, इस क्षेत्र के पहले हिन्दू मुख्यमंत्री मेहरचंद महाजन थे, जो 15 अक्टूबर 1947 से 5 मार्च 1948 तक मुख्यमंत्री रहे थे।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि पिछले विधानसभा चुनावों में इस राज्य की 83 विधानसभा सीटों में से भाजपा को 25 सीटें मिली थी और ये सभी सीटें जम्मू क्षेत्र से थी, कश्मीर से भाजपा को एक भी सीट नही मिल पाई थी, अब परिसीमन के माध्यम से मोदी सरकार जम्मू में छः सीटें बढ़ाना चाहती है जबकि कश्मीर में मात्र एक सीट। पहले सीटों का यह गणित जनसंख्या से तय हुआ था, जबकि अब भाजपा जनसंख्या के आधार पर नहीं बल्कि क्षेत्रफल के हिसाब से तय करना चाहती है, जबकि कश्मीरी गुपकार संगठन के नेताओं की मांग है कि पूर्व की तरह परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर ही किया जाये। उल्लेखनीय है कि जम्मू की जनसंख्या 53 लाख 78 हजार 538 है, जबकि कश्मीर की 68 लाख 88 हजार 479 है। किंतु क्षेत्रफल के हिसाब से जम्मू का विस्तार 26 हजार 293 वर्ग किलोमीटर में है, जबकि कश्मीर का क्षेत्रफल सिर्फ 15 हजार 948 वर्ग किलोमीटर है, केन्द्र सरकार इसी क्षेत्रफल के आधार पर विधानसभा सीटों का परिसीमन करना चाहती है और अपने अधिकार क्षेत्र जम्मू की सीटों के आधार पर जम्मू-कश्मीर पर कब्जा करना चाहती है।

केन्द्र के इस फैसले का कश्मीरी गुपकार संगठन नए वर्ष की शुरूआत के साथ ही विरोध का श्रीगणेश करना चाहता है। उसने प्रधानमंत्री से पूछा है कि जब देश के अन्य राज्यों की बराबरी में लाने के लिए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 व 35ए को खत्म किया गया है तो फिर ढाई साल गुजर जाने के बाद भी अब तक जम्मू-कश्मीर को स्वतंत्र राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया गया और इस राज्य को लम्बे अर्से से राष्ट्रपति शासन के अधीन क्यों रखा गया है? क्या वहां परिसीमन की आड़ में विधानसभा सीटें बढ़ाकर अपना हिन्दू मुख्यमंत्री तैनात करने की गरज से यह सब राजनीतिक नाटक खेला गया था?

अब एक जनवरी से कश्मीर में शुरू होने वाला यह आंदोलन कैसा रूप अख्तियार करेगा और वहां क्या स्थिति पैदा होती है? यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु यह तय है कि केन्द्र की मोदी सरकार ने काफी सोची-समझी रणनीति के तहत् पूरी तैयारी के साथ जम्मू-कश्मीर पर कब्जा करने का प्रयास किया है? यहां यह याद दिला दें कि पिछले वर्ष जब प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के नेताओं को चर्चा करने हेतु दिल्ली बुलाया था, तब उनके तेवर देखकर ही मोदी जी समझ गए थे कि ''सीधी अंगुली से घी निकलने वाला नही है'', इसीलिए ''अंगुली को टेढ़ी करने'' का प्रयास किया गया है, साथ ही उन्हें पाक परस्त भी बताया गया है। (लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता यक्ष प्रश्न बना..!!!

पत्रकारिता या मीडिया को प्रजातांत्रिक शासन प्रणाली में चौथा स्तंभ माना गया है। प्रजातंत्र में संवैधानिक व्यवस्था में तीन स्तंभ होते है विधायिका, कार्यपालिका और न्याय पालिका। इन तीन स्तंभों से भी बढ़कर चौथे स्तंभ निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता का माना गया है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता जिसे हम गर्व से प्रजातंत्र का चौथा स्तभं कहकर सम्मान करते है। उस चौथे स्तंभ को आज किस स्थिति से गुजरना पड़ रहा है

किन किन गंभीर चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है यह हमारे चिंतन का विषय है। देश 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की सदियों की गुलामों की जंजीरों से आजाद हुआ। 26 जनवरी 1950 को संविधान के अनुरूप लोक तांत्रिक शासन प्रणाली को लागू किया गया। उस समय देश के कर्णधारों ने जोर शोर से कहा प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ निष्पक्ष पत्रकारिता है जो समय समय पर अपनी कलम से अन्याय और अत्याचार को उजागर करेगा। जब देश आजाद हुआ पत्रकारिता का एक मात्र माध्यम समाचार पत्र थे। समाचार पत्रों का प्रकाशन देश के नामी औद्योगिक घरानों ने कर सबसे पहले निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता का गला घौंटा।

समाचार पत्र के मालिक के ही इसारे पर चलना संपादक एवं पत्रकार की मजबूरी है। जो पत्रकार जिस समाचार पत्र के लिये काम करता है वह अखबार मालिक की इच्छा के विरूद्ध अपनी लेखनी नही चला सकता। अगर इच्छा के विरुध्द कभी लिख दिया तो उस पत्रकार की उसी दिन छुट्टी कर दी जाती है। आज मीडिया के तीन माध्यम है। सबसे पहले समाचार पत्र ही एक मात्र माध्यम थे। पिछले लगभग 25- 30 वर्ष से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अर्थात् टी वी चेनलों ने प्रवेश किया है। इन मीडिया के दो माध्यम के अलावा पिछले लगभग 10 -15 वर्ष से सोशल मीडिया भी जोर शोर से सक्रिय हुआ है। आज हम देखते है देश की आजादी के 74 वर्ष बाद भी देश में स्वतंत्र एवम् निष्पक्ष पत्रकारिता का गला घोंटा जा रहा है।पहले निष्पक्ष पत्रकारिता समाचार पत्रों के मालिकों के हस्तक्षेप से प्रभावित थी। वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने पूरी तरह से पैर पसार लिये हैं। टी व्ही चैनलों के मालिकों ने निष्पक्ष पत्रकारिता का गला घौंट दिया है। चैनल बाले जिसे चाहते हैं वही समाचार निरंतर प्रसारित होता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर गोदी मीडिया या बिकाऊ मीडिया आदि अनेक आरोप लग रहे हैं। हम जिसे प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ कहते है वह भारतीय मीडिया आज उधोगपतियों एवम् बड़े बड़े अखबार मालिकों, चैनल मालिकों के यहाँ गिरबी रखा है। मालिक की

इच्छा अनुरूप पत्रकार को अपनी लेखनी चलानी पड़ती है या चैनल पर बोलना पड़ता है। जब पत्रकार अपनी कलम को स्वतंत्र रूप से नही चला सकता तो यह कहना वेमानी है कि भारतीय मीडिया स्वतंत्र और निष्पक्ष है। अखबार में या टी व्ही चैनल पर काम कर रहे पत्रकार को कदम कदम पर यह भय रहता है कि कब मालिक नाराज हो जाये और घर का रास्ता दिखा दे। म. प्र. में मात्र दो या तीन समाचार पत्र है जिन्होंने ने अपने यहाँ काम करने बाले पत्रकारों को वेतनमान से वेतन एवं सुविधाएं देना प्रारंभ किया है। देश के नेता एवं अधिकारी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता में सबसे बड़ी बाधा है। अपने स्वार्थों की रक्षा के लिये ये पत्रकारों का अपने अनुसार उपयोग कर रहे है। जिला स्तर पर अधिकारी गण पत्रकारों में फूट डालकर दो गुट करा देते है। निडर एवं निष्पक्ष रिपोर्टिंग करने बाले पत्रकारों को तरह तरह से प्रताड़ित किया जाता है.उन्हे धमकियाँ दी जाती है गुण्डों से पिटवाया जाता है। वकील के माध्यम से मोटी राशि का मानहानि नोटिस भेजा जाता है। पत्रकारों पर ब्लैक मेलिंग के गंभीर आरोप लगाकर उनका चरित्र हनन किया जाता है। हम यह नही कह रहे कि सभी पत्रकार या मीडिया से जुड़े व्यक्ति राजा हरिश्चंद्र के वंशज है। हम मानते है कि इस जाति में भी कुछ पथ भृष्ट तत्व हो सकते है मगर उन पथ भृष्ट गिने चुने लोगों से पूरे समाचार जगत को एक ही चश्मे से देखना अन्याय होगा। यह भी सर्वमान्य सत्य है मीडिया से जुड़े हमारे साथियों को पथ भृष्ट करने में राजनेताओं और अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की स्वतंत्रता आज चुनौतीपूर्ण कठिन कार्य है। निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता आज जोखिम से भरा कठिन कार्य है। गत दिनों एक प्रकरण आया है जिसमें न्याय के लिए देश के ख्याति प्राप्त पत्रकार ने भारत की सर्वोच्च न्यायालय में शरण ली वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ जिन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। पत्रकार दुआ के विरुद्ध राजद्रोह का मामला सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया है।सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश में कहा है वर्ष 1962 का आदेश हर पत्रकार को ऐसे आरोप से संरक्षण प्रदान करता है। स्मरणीय है कि एक भाजपा नेता की शिकायत के आधार पर विनोद दुआ पर दिल्ली दंगा पर केंद्रित उनके शो को लेकर हिमाचल प्रदेश में राजद्रोह का आरोप लगाया गया था।एक एफ आई आर में उन पर फर्जी खबरें फैलाने, लोगों को भड़काने, मान हानिकारक सामग्री प्रकाशित करने जैसे आरोप लगाए थे। इस प्रकरण से हम अंदाज लगाने मजबूर हैं कि देश के चौथे स्तंभ का अस्तित्व खतरे में है जो सत्य को उजागर करने साहस करता है उसकी कलम तोड़ने कुचलने के सुनियोजित प्रयास हो रहे हैं विचारणीय बिंदु है यह है कि देश के जाने-माने लोकप्रिय पत्रकार विनोद दुआ अपने ऊपर लगाए गए देशद्रोह के प्रकरण में न्याय की गुहार लेकर देश की सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गए उन्हें सर्वोच्च न्यायालय से न्याय मिल गया। उन पर देशद्रोह का प्रकरण चाहने वालों को मात खानी पड़ी। ऐसे निष्पक्ष निर्भीक पत्रकार विनोद दुआ जिन्होंने न्याय के लिये देश की सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया उनका पिछले सप्ताह असामयिक स्वर्गवास हो गया। हम उन्हें विनम्र श्रृद्धांजली अर्पित करते हैं। ज्वलंत प्रश्न यह है देश के छोटे छोटे नगरों जिला मुख्यालयों पर कार्यरत पत्रकारों पर इस तरह का प्रकरण चलाया जाता है तो क्या भी सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच पाएंगे (लेखक- विजय कुमार जैन / ईएमएस)

विक्रमादित्य ने कराया था विलुप्त हो चुके श्रीराम जन्म मंदिर पुनर्निर्माणी

भारतीय समाज के कम ही लोगों को पता है कि महाराज विक्रमादित्य ने भी बाबा महाकाल मंदिर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ लोप हो चुकी अयोध्या की फिर से खोज करने तथा श्री राम जन्म मंदिर के पुनर्निर्माण कराने का महती कारज भी किया था। आज से कोई 2078 बरस पहले, जिसे बाबर के सेनापति मीर बांकी ने 1528 में ध्वस्त किया था और जिस पर अब भव्य राम मंदिर का पुनर्निर्माण हो रहा है। साथ ही अयोध्या में 240 नये मंदिरों का तथा 60 प्राचीन मंदिरों के निर्माण का श्रेय भी महाराजा विक्रमादित्य को जाता है। यह कोई कपोल कल्पित बात नहीं है, बल्कि सर्वोच्च न्यायालय में दी गयी तथ्यात्मक दलील का भाग है जिसे न्यायालय द्वारा मान्यता दी गयी है. इसका विस्तार से उल्लेख गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'अयोध्या दर्शन' में भी मिलता है।

उल्लेखनीय है कि श्रीरामजन्मभूमि पक्ष की ओर से कहा गया था कि उस स्थान पर महाराजा विक्रमादित्य के समय से एक मंदिर था जिसके कुछ हिस्से को बाबर की सेना के कमांडर मीर बांकी ने नष्ट किया था और मस्जिद बनाने का प्रयास किया था। उसने उसी मंदिर के खम्भे आदि इस्तेमाल किये। ये खम्भे काले कसौटी पत्थर के थे और उन पर हिन्दू देवी-देवताओं की आकृतियां खुदी हुई थी। इस निर्माण कार्य का बहुत विरोध हुआ और हिन्दुओं ने कई बार लड़ाईयां लड़ीं जिसमें लोगों की जानें भी गई। अंतिम लड़ाई 1855 में लड़ी गयी थी। इस सबके कारण वहां मस्जिद की मीनार कभी नहीं बन सकी और वुजू के लिए पानी का प्रबंध भी कभी ना हो सका।

सुप्रसिद्ध जर्मन विद्वान मैक्समूलर ने भी श्री नागेश्वरनाथ मंदिर के प्रति अपने विचार प्रकट करते हुए लिखा है कि- 'इस मंदिर पर नामालूम कितनी आंधियां और भयंकर तूफान आए परंतु यह सबको बर्दाश्त करता हुआ अपने स्थान पर अडिग और अचल खड़ा है।' महाराज विक्रमादित्य ने जब अयोध्या की पुनः खोज की तो सबसे पहले इसी स्थान का पता लगा। जनश्रुति के अनुसार महाकवि कालिदास को 'स्त्रीयोनि' में जन्म लेने का श्राप यहीं से मिला था। डाउसन के अनुसार महाराजा विक्रमादित्य ने 240 नये मंदिर बनवाये और 60 का जीर्णोद्धार किया।

शुभशील के पंचशती बोध में महाराजा विक्रमादित्य द्वारा अयोध्या में उत्खनन करके चर्मकार स्त्री की स्वर्णजरी की जूतियां अन्वेषण की कथा है। अयोध्या दर्शन (गीता प्रेस, गोरखपुर, पृष्ठ 98-99) के अनुसार महाराजा विक्रमादित्य द्वारा निर्मित प्राचीन मंदिरों में हैं-

श्रीरामजन्म भूमि मंदिर :

श्रीराम जन्म स्थान पर कसौटी पत्थर के 84 स्तंभों और सात कलशों वाला मंदिर महाराजा विक्रमादित्य ने बनवाया था। जिसे 1528 ई. में मुगल बादशाह बाबर के सेनापति मीरबांकी ने ध्वस्त कर दिया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा किये गये उत्खनन में वहां हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियां, प्रतीक और स्तंभ प्राप्त हुए हैं जिसके आधार पर वहां एक भव्य मंदिर था, इस बात की पुष्टि हुई है।

2. कनक भवन :

अयोध्या राजवंश के पराभव के बाद कनक भवन भी जर्जर होकर ढह गया। सोने का यह महल माता कैकेयी ने सीताजी को मुंह दिखाई में दिया था। यह श्रीराम-जानकी का विहारस्थल है। महाराजा विक्रमादित्य ने 57 ई.पू. में कनक भवन पुन:निर्मित कराया। उसे लगभग 11वीं शती ई. में यवनों ने ध्वस्त कर दिया। वर्तमान कनक भवन का निर्माण ओरछा नरेश सवाई महेन्द्र श्रीप्रतापसिंह की धर्मपत्नी महारानी वृषभानुकुंवरि द्वारा सन् 1891ई. में करवाया।

3. रत्नसिंहासन मंदिर :

जन्मस्थान के पास रत्नमंडप ही रत्नसिंहासन मंदिर है। यहां भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ था। कनक भवन के निकट दक्षिण में है। यहां विक्रमादित्यकालीन तीन मूर्तियां हैं। दुर्भाग्य से यह स्थान अपनी स्वतंत्र पहचान खोता जा रहा है।

4. लक्ष्मण मंदिर, सहस्त्रधारा तीर्थ :

सहस्त्रधारा तीर्थ (लक्ष्मण घाट पर) लक्ष्मणजी के शरीर छोड़ने के स्थान पर यह मंदिर है। यहां रामांज्ञा से श्री लक्ष्मणजी शरीर छोड़कर परमधाम पधारे थे। यहां मंदिर में शेषावतार लक्ष्मणजी की 5 फुट ऊंची चतुर्भुज मूर्ति है। यह मूर्ति सामने कुंड में पायी गयी थी। लक्ष्मण घाट पर यह मंदिर लक्ष्मणकिला के निकट स्थित है। नागपंचमी एवं पूरे वैशाख मास में यहां विशेष भीड़ रहती है।

5. बड़ी देवकाली (शीतलादेवी दुर्गाकुण्ड पर):

इन्हें भगवान श्रीरामचंद्रजी की कुलदेवी कहा जाता है। द्वापर युग में सूर्यवंशी महाराज सुदर्शन द्वारा यहां एक मंदिर की स्थापना की गई। कालांतर में महाराजा विक्रमादित्य ने शालग्राम शिलामय की त्रिदेवियों की स्थापना की गयी। यहां एक ही शिला में महाकाली, महालक्ष्मी एवं महासरस्वती शक्तियंत्र सहित अंकित है। अयोध्या के इस आदिशक्तिपीठ पर आज भी अयोध्यावासी बड़ी श्रद्धा रखते हैं। यहां एक जल से परिपूर्ण सरोवर (कुंड) भी है। 2002ई. में मंदिर एवं सरोवर का जीर्णोद्धार किया गया है। यह फैजाबाद चौक से आग्नेय (दक्षिण पूर्व) कोण में स्थित है।

6. छोटी देवकाली गिरिजा (ईशान देवी) नामक प्रसिद्ध मंदिर है। इस विग्रह की स्थापना त्रेतायुग में श्रीसीताजी द्वारा की गई थी जिसे वे अपने साथ जनकपुर से लायी थीं। यह स्थान मत्तगजेन्द्र चौराहे के पास सप्तसागर के निकट अयोध्या में ही है। (पृष्ठ-98-99)

वर्ष 2019 को उच्चतम न्यायालय का फैसला प्रकट हुआ। तद्नुसार श्रीरामजन्म भूमि पक्ष की ओर से कहा गया था कि उस स्थान पर महाराजा विक्रमादित्य के समय से एक मंदिर था। (पृष्ठ-81)

उज्जयिनी के सम्राट विक्रमादित्य ने इसकी खोज कर इस (अयोध्या) को पुनः बसाया।(पृष्ठ-92)

महाराजा विक्रमादित्य ने अयोध्या की पुनः खोज की तो सर्वप्रथम नागेश्वर मंदिर मिला। (पृष्ठ-75)

एक कथानुसार महाकवि कालिदास को स्त्री योनि में जन्म लेने का श्राप यहीं से मिला था। (पृष्ठ-45-46)

डॉ. श्रीराम अवतार 'श्रीराम जन्मभूमि : अयोध्या का इतिहास मे' लिखते हैं कि सात मोक्षदायिनी नगरियों में प्रथम नगरी अयोध्या सतयुग में महाराज मनु ने बसायी थी। सरयू नदी के किनारे बसी यह नगरी 12 योजन (144 किलोमीटर) लम्बी तथा 3 योजन (36 किलोमीटर) चौड़ी थी। चक्रवर्ती सम्राट दशरथजी ने इसे विशेष रूप से बसाया था। इसमें सभी प्रकार के बाजार थे। तथा इसकी रक्षा खाइयों, किवाड़ों, और शताध्रियों से होती थी। महाराज इक्ष्वाकु, अनरण्य, मान्धाता, प्रसेनजित, भरत, सगर, अंशुमान, दिलीप, भगीरथ, ककुत्थ्य, रघु, अम्बरीष जैसे सम्राटों की यह राजधानी रही। श्रीरामजी की आज्ञा से इसके प्रधान देवता हनुमानजी हैं।

वे आगे लिखते हैं कि श्रीराम के परमधाम पधारने पर यह नगरी जनशून्य हो गई थी। तब महाराज कुश ने इसे पुनः बसाया था। यह पावन नगरी जब पुनः लुप्त हो गई तब लगभग 2500 वर्ष पूर्व उज्जयिनी के सम्राट विक्रमादित्य ने इसकी खोज कर इसे पुनः बसाया था। 1525 ई. में बाबर के मीर बांकी ने यहां के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की रक्षा के लिए संघर्ष का इतिहास काफी लम्बा है।

लेखक के अनुसार बाबर के पुत्र हुमायूं के शासनकाल में हसवर के स्वर्गीय राजा रणविजयसिंह की महारानी जयकुमारी ने तीस हजार स्त्री सैनिकों के साथ मंदिर पर पुनः अधिकार प्राप्त कर लिया था। उनके गुरु स्वामी रामेश्वरानंद ने हिन्दू-जागरण किया। किन्तु तीसरे दिन हुमायूं की सेना आ गयी और पुनः मुसलमानों का कब्जा हुआ। अकबर के समय में हिन्दुओं ने बीस बार आक्रमण किये किन्तु उन्नीस बार असफल रहे। 20वीं बार रानी और उनके गुरु बलिदान हो गये। किन्तु हिन्दुओं ने चबूतरे पर कब्जा कर राम मंदिर बनाया।

जहांगीर एवं शाहजहां के समय में शांति रही। औरंगजेब ने जांबाज के नेतृत्व में सेना भेजी, पर स्वामी वैष्णवदास के दस हजार चिमटाधारी साधुओं ने रेलवे के सोहावल स्टेशन के निकट अपना पड़ाव डाला था। खिलजी के आक्रमण से मंदिर का बाहरी भाग तो ध्वस्त हो गया किन्तु जब मुख्य भाग पर उसने आक्रमण किया, उस समय स्थानीय जनता ने ठाकुर परशुरामसिंह था श्री गणराजसिंह के नेतृत्व में आक्रमणकारियों से डटकर लोहा लिया। अंत में आताताइयों को बुरी तरह से यहां हारना पड़ा। तीसरा बड़ा आक्रमण इस मंदिर पर औरंगजेब का हुआ। उसने नागेश्वर मंदिर के निकटस्थ अहिल्याबाई घाट पर स्थिति श्रीत्रेतानाथ के मंदिर को ध्वस्त कर उस स्थान पर विशाल मस्जिद खड़ी कर दी, जो आज भी टूटी-फूटी अवस्था में खड़ी है।

इस संबंध में हैमिल्टन नामक विद्वान ने अपनी पुस्तक 'वॉकिंग ऑफ द वर्ल्ड' में लिखा है-'मुसलमानी शासनकाल में अयोध्या के प्रसिद्ध नागेश्वरनाथ के मंदिर को गिरवाकर वहां मस्जिद खड़ी करने के विचार से दो बार आक्रमण किये गये, मगर वे नाकामयाब रहे।'

अयोध्या के इस अत्यंत प्राचीन शिव मंदिर के सम्बन्ध में पाश्चात्य इतिहासकारों ने, जिनमें उल्लेखनीय है- रैमिन्टन, कनिंघम, जार्ज विलियम रेनॉल्ड्स, विसेंट स्मिथ, मैक्स मूलर, बेवर, लूथर, वूलर, हण्ट, सिटनी, ह्विटमैन, बिल्फ्रेड, एच. इलियेट, सर जॉन फ्रांकिक तथा इनके अतिरिक्त भारतीय विद्वान श्री भांडारकर प्रभृति ने बहुमूल्य ऐतिहासिक तथ्य, संस्मरण एवं जानकारीपूर्ण उद्गार प्रस्तुत किये हैं। जिनसे नागेश्वरनाथ मंदिर के इतिहास एवं गौरवशाली अतीत पर पर्याप्त प्रकाश पड़ता है। (लेखक- डॉ अजय खेमरिया / ईएमएस)

आज का इतिहास 27 दिसंबर

1797 शायर मिर्जा गालिब का जन्म.
1911 जन गण मन पहली बार कांग्रेस अधिवेशन में गाया गया.
1945 अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की स्थापना की गई.
1949 इंडोनेशिया नीदरलैंड्स से स्वतंत्र हुआ.
1956 स्वेज युद्ध के बाद राष्ट्रसंघ के बेड़े ने स्वेज नहर की सफाई का काम शुरू किया.
1972 कनाडा के राजनेता लेस्टर पियर्सन का निधन.
1975 चसनाला कोयला खान दुर्घटना में 372 लोग मारे गए.
1978 स्पेन नरेश जुआन कार्लोस ने लोकतांत्रिक संविधान को स्वीकार किया.
1979 अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हफीजुल्लाह अमीन सैन्य क्रांति में मारे गए.
1984 मिस्र और सीरिया में 12 वर्ष बाद राजनयिक संबंध पुनः कायम हुए.
1998 इराक ने अपने क्षेत्र पर पश्चिमी देशों द्वारा लागू उड़ान निषिद्ध क्षेत्र की घोषणा मानने से इंकार कर दिया.

दैनिक पंचांग

27 दिसम्बर 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.59 बजे से
चंद्र	कन्या में	कुंभ	09.46 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मीन	11.19 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.49 बजे से
गुरु	कुंभ में	वृष	14.29 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	16.27 बजे से
शनि	मकर में	कर्क	18.41 बजे से
राहु	वृष में	सिंह	20.57 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कन्या	23.09 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		तुला	01.20 बजे से
		वृश्चिक	03.34 ब.से
		धनु	05.50 बजे से

सोमवार 2021 वर्ष का 361 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 19.29 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 05.07 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** सौभाग्य 08.52 बजे को समाप्त। **करण** बालव 07.54 बजे तदनन्तर कौलव 19.29 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 20' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871110 **जूलियन दिन** 2459575.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2547 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 22 **विशेष** रुक्मिणी अष्टमी, मण्डला पूजा, महाराज खेतसिंह खंगार जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7148

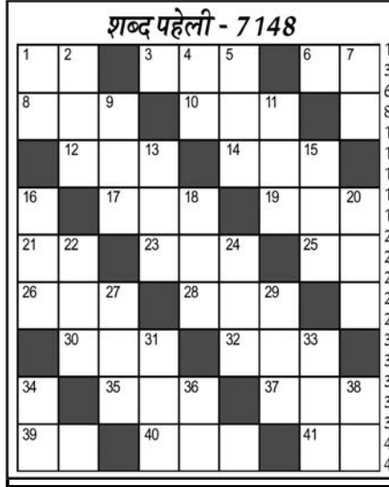

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान-2
3.सुंदर,खूबसूरत-3
6.सलाह,मंत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रूई का पौधा-3
17.आयोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल,

मनुष्यों के संग पले-बढ़े चिंपैंजी के बच्चे को अन्य चिंपैंजियों ने पीट-पीटकर मार डाला

केन्या (ईएमएस)। एक चिंपैंजी के बच्चे को मनुष्यों की परवरिश का खमियाजा अपनी जान गवांकर देना पड़ा। बताया जा रहा है कि जिस चिंपैंजी की मौत हुई है, उसे इंसानों ने पाला था। उसे ईरान से केन्या इसलिए भेजा गया था, जिससे वो अन्य चिंपैंजियों और जानवरों के साथ रहना सीख ले उसका विकास भी दूसरे चिंपैंजियों की तरह हो सके। लेकिन किसी को भी इस बात का अहसास बिल्कुल भी नहीं था कि ऐसा हादसा होगा। इस घटना के बाद से हर कोई बेहद दुखी है।

केन्या पहुंचने पर उसने 90 दिन का क्वारनटीन पूरा कर लिया था। धीरे-धीरे वो अन्य जानवरों के बीच घुलना मिलना सीख रहा था। बताया जा रहा है कि बैरन नाम की इस चिंपैंजी अपने इलाके से बाहर निकल गई और अन्य चिंपैंजियों के बीच पहुंच गई। जहां उस पर हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद से हर कोई हैरान है।

बैरन की तबियत ठीक नहीं थी तभी उसे ईरान से कैन्या भेजा गया था। जहां पर वो अन्य जानवरों के साथ रहना सीख ले और जल्दी ठीक हो जाए। बैरन को इंसानों ने इसलिए पाला था क्योंकि वह समय से पहले पैदा हुई थी और उसकी मां ने उसे छोड़ दिया था। पशु चिकित्सक बैरन को अपने साथ ले गए और उसे बड़ा किया। बैरन को छोड़ने का फैसला इसलिए लिया गया था जब उन्हें यह लगने लागा था कि अब उसे माता-पिता के पास छोड़ देना चाहिए।

इमान मेमेरियन ने बताया कि बैरन को पहले उसकी मां ने छोड़ दिया फिर धीरे-धीरे दूसरे चिंपैंजियों ने भी उसका साथ छोड़ दिया। जिसकी वजह से उसे पशु चिकित्सकों ने पाला और अपने हाथ से खाना खिलाया। पशु चिकित्सक इमान मेमेरियन का कहना है कि बैरन शारीरिक और भावात्मक रूप से मजबूत बने इसलिए उसे चिड़ियाघर से जंगल में छोड़ने का फैसला किया था। साथ ही उन्हें बात की भी चिंता थी कहीं दूसरे चिंपैंजियों की तुलना में उसका कद छोटा न हो जाए। इस घटना के बाद से हर कोई काफी निराश है। भविष्य में घटना न हो इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

1 जनवरी से एटीएम से कैश निकालना पड़ेगा महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। 5 दिन बाद यानी 1 जनवरी से एटीएम से कैश निकालना और जमा करना महंगा पड़ने वाला है। बैंक ग्राहक एटीएम से कैश ट्रांजेक्शन के लिए पहले जितना भुगतान कर रहे थे, अब उससे अधिक भुगतान करना होगा। एक जनवरी 2022 से ग्राहकों को फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन लिमिट पार करने पर ज्यादा भुगतान करना होगा। जून में ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को 1 जनवरी 2022 से मुफ्त मासिक सीमा से अधिक नकद और गैर-नकद एटीएम लेनदेन के लिए शुल्क बढ़ाने की अनुमति दी थी। एक्सिस बैंक ने कहा, आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, एक्सिस बैंक या अन्य बैंक के एटीएम में 01-01-22 से मुफ्त सीमा से ऊपर का वित्तीय लेनदेन शुल्क 21 रुपये+ जीएसटी होगा। वर्तमान में बैंक एटीएम या कैश रिसाइक्लिर मशीन से कैश और नॉन-कैश ट्रांजेक्शन करने पर महीने में पहले 5 वित्तीय ट्रांजेक्शन फ्री होते हैं। इसके बाद 20 रुपये प्रति वित्तीय ट्रांजेक्शन का चार्ज लगता है। लेकिन 1 जनवरी 2022 से यह चार्ज 21 रुपये प्रति वित्तीय ट्रांजेक्शन होगा। उन्हें मेट्रो शहरों में दूसरे बैंक के एटीएम से 3 ट्रांजेक्शन और नॉन-मेट्रो शहरों में दूसरे बैंक के एटीएम से 5 ट्रांजेक्शन अभी की तरह मुफ्त मिलती रहेंगी।

कोर्ट ब्लास्ट के बाद पुलिस को मिली लुधियाना को उड़ाने की धमकी

-फोन पर कहा- लुधियाना कोर्ट ब्लास्ट के बाद चंडीगढ़ में सीरियल धमाके होंगे

लुधियाना(ईएमएस)। लुधियाना के कोर्ट काम्पैल्कस में बम ब्लास्ट होने के बाद जहां लोगों में काफी दहशत फैली हुई है वहीं एक व्यक्ति द्वारा दी गई धमकी ने चंडीगढ़ और लुधियाना पुलिस की नींद उड़ा दी है। दरअसल एक व्यक्ति ने चंडीगढ़ कंट्रोल रूम (डॉयल 112) पर कॉल करके कहा कि लुधियाना की अदालत में बम ब्लास्ट हुआ है, अब चंडीगढ़ में सिरियल बम धमाके होंगे।

हंगरी बोस्निया का विरोधी नहीं, पर हम उस राज्य की सुरक्षा कैसे करेंगे जहां 20 लाख मुसलमान रहते हों

-हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की टिप्पणी से बढ़ा विवाद

सराजेवो (ईएमएस)। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की बोस्निया को यूरोपीय संघ में शामिल नहीं करने की अपील पर बोस्नियाई राजनेताओं और धार्मिक नेताओं ने आपत्ति जताई है। बुडापेस्ट में दक्षिणपंथी नेता ऑर्बन ने कहा कि बोस्निया की बड़ी मुस्लिम आबादी के कारण उसे एकीकृत रूप में यूरोपीय संघ में शामिल करना बेहद चुनौतीपूर्ण है।

ऑर्बन ने कहा कि हंगरी बोस्निया के यूरोपीय संघ में शामिल होने की कोशिशों को समर्थन देता है, लेकिन 'हम उस राज्य की सुरक्षा कैसे करेंगे जहां 20 लाख मुसलमान रहते हैं, यह उनकी सुरक्षा का भी मुख्य मुद्दा है। हंगरी के पीएम के बयान के बाद उनकी निंदा की जा रही है।

उनके इस बयान के बाद कई बोस्नियाई पार्टियों ने उनके आगामी दौरे पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। ऑर्बन बोस्निया और हर्ज़ेगोविना की राजधानी सारायेवो का आधिकारिक दौरा करने वाले हैं। इस्लामी समुदाय के प्रमुख ग्रैंड मुफ़्ती हुसैन कावाज़ोविच ने ऑर्बन के बयान को 'नस्लवादी' बताया है। उन्होंने कहा है अगर इस तरह की विचारधाराएं एकीकृत यूरोप की नीतियां बन जाती हैं, तो हम उस समय में वापस पहुंच जाएंगे जब यूरोपीय एकता इसी फासीवादी नाज़ी आधार पर थी, जब ये हिंसक और नरसंहार की विचारधाराएं होलोकॉस्ट और दूसरे भयानक अपराध कर रहे थे।

बोस्निया और हर्ज़ेगोविना की त्रिपक्षीय अध्यक्षता के बोस्नियाई सदस्य सेफ़िक ज़फ़रोविच ने, जो कि एक तरह से देश के राष्ट्रपति भी हैं, उन्होंने ऑर्बन के बयान को 'शर्मनाक और असभ्य' बताया है। उन्होंने कहा ऑर्बन खुलकर और लगातार इस्लाम विरोधी विचारों का समर्थन करते हैं। वह यूरोप में मुसलमानों और बोस्नियाई लोगों की मौजूदगी को एक दिक्क़त की तरह देखते हैं। उन्होंने कहा 20 लाख (बोस्नियाई) मुसलमानों को एकीकृत रखना यूरोपीय संघ के लिए चुनौती नहीं है, क्योंकि हम यूरोप के मूल निवासी हैं, जो हमेशा से यहां रह रहे हैं।

ज़फ़रोविच ने 90 के दशक में हुए क्रूर बोस्नियाई युद्ध की याद दिलाते हुए कहा कि उस समय सर्बियाई नेताओं के नियंत्रण में बोस्नियाई लोगों ने 'सभ्यता के सार्वभौमिक मूल्यों' को लेकर अपनी ईमानदारी दिखाई थी और 'उन्होंने किसी भी आपराधिक आचरण का सहारा नहीं लिया जैसा कि उस समय सर्बियाई कर रहे थे। उन्होंने कहा बोस्नियाई नेताओं का मानना है कि उनकी समस्या मुसलमान नहीं, बल्कि ऑर्बन जैसे लोग यूरोपीय संघ के लिए अपनी 'कट्टरपंथी नस्लभेदी नीतियों के कारण असली चुनौती बने हुए हैं। ज़फ़रोविच ने कहा अगर यूरोपीय संघ ऑर्बन जैसे लोगों को बर्दाश्त करता है, तो वह उसके मानवाधिकारों पर आधारित विविध भविष्य को ख़तरे में डाल देगा।

बोस्नियाई राष्ट्रपति ने कहा हम यूरोपीय संघ में विश्वास रखते हैं और यूरोपीय संघ में जाना चाहते हैं लेकिन ऐसे यूरोपीय संघ में नहीं जाना चाहते हैं, जहां ऐसे अपमानजनक संदेश हों, जिसकी ऑर्बन और उनका समूह वकालत करते हैं। हंगरी के दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन प्रवासियों, शरणार्थियों और अल्पसंख्यकों के ख़िलाफ़ अपने विचारों के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी प्रवासन विरोधी नीतियों के लिए भी जाने जाते हैं और उनका दावा है कि यूरोप के ईसाई मूल्यों के लिए मुस्लिम प्रवासी सबसे बड़ा ख़तरा हैं। बोस्निया का यूरोपीय संघ में शामिल करने का विरोध करने वाले ऑर्बन अपने पड़ोसी ईसाई बहुल देश सर्बिया और क्रोएशिया को यूरोपीय संघ में तुरंत शामिल करने के समर्थक हैं। हालांकि, सर्बिया के राष्ट्रपति एलेक्ज़ेंडर वुचिच अपनी कट्टर नीतियों के लिए जाने जाते हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता डेसमंड टूटू का निधन

जोहानिसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद, नस्ली भेदभाव और एलजीबीटी अधिकारों के लिए लंबी लड़ाई लड़ने वाले नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाले कार्यकर्ता एवं केप टाउन के सेवानिवृत्त एंग्लिकन आर्चबिशप डेसमंड टूटू का निधन हो गया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने रविवार को यह जानकारी दी। टूटू 90 वर्ष के थे।

रंगभेद के कट्टर विरोधी, काले लोगों के दमन वाले दक्षिण अफ्रीका के क्रूर शासन के खात्मे के लिए टूटू ने अहिंसक रूप से अथक प्रयास किए। उत्साही और मुखर पादरी ने जोहानिसबर्ग के पहले काले बिशप और बाद में केप टाउन के आर्चबिशप के रूप में अपने उपदेश-मंच का इस्तेमाल किया और साथ ही घर तथा विश्व स्तर पर नस्ली असमानता के खिलाफ जनता की राय को मजबूत करने के लिए लगातार सार्वजनिक प्रदर्शन किया।

इस सप्ताह ओमीक्रॉन और घरेलू कारकों से तय होगी बाजार की

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रॉन और घरेलू कारकों से शेयर बाजार की चाल तय होगी क्योंकि बीते सप्ताह वैश्विक स्तर पर क्रिसमम की छुटटी और नये वर्ष की छुट्टियों को लेकर अधिकांश देशों में कारोबार प्रभावित रहेगा। बाजार के जानकारों का कहना है ?कि इस सप्ताह बाजार पर महीने के आ?खिर में वायदा एवं विकल्प सौदों के निपटान और घरेलू कारक हावी रहेंगें। हालांकि उन्होंने बाजार में तेजी रहने की उम्मीद जताते हुए कहा कि एनएसई का निफ्ट 17200 अंक तक जा सकता है और यदि इसका यह स्तर पार कर गया तो यह 17500 अंक को भी छू सकता है क्यों?कि हाल ही निफ्टी 16900 अंक के स्तर तक उतरने के बाद फिर से 17 हजारी हुआ है। उन्होंने कहा कि बीते सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रही ले?किन घरेलू संस्थागत निवेशकों की लिवाली ने इस बिकवाली को बेअसर कर दिया और बाजार में कुछ सधार देखने को मिला था। इस अवधि में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने जहां 6600 करोड़ रुपए की बिकवाली की है वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6900 करोड़ रुपए की लिवाली की। इससे बाजार को बल मिला था। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह गुरूवार को मासिक वायदा एवं विकल्प सौदों का निपटान होगा और इसका असर बाजार पर दिख सकता है। वैश्विक स्तर पर क्रिसमस अवकाश के साथ ही नये वर्ष आगमन के अवसर पर अधिकांश प्रमुख सूचकांक वाले देशों में अवकाश से अंतरराष्ट्रीय कारकों का घरेलू बाजार पर प्रभाव काफी कम रहने की संभावना है।

439 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत में 4.38 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक 150 करोड़ रुपए या उससे अधिक निवेश वाली लगभग 439 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत में कुल 4.38 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए और उससे अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। ऐसी 1,679 परियोजनाओं में से 439 परियोजनाओं ने लागत में वृद्धि की सूचना दी और 541 परियोजनाओं में देरी हुई। मंत्रालय की नवबंर 2021 के लिए ताजा रिपोर्ट में कहा गया ?कि 1,679 परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कुल मूल लागत 22,29,544.27 करोड़ रुपए थी और अब उनके पूरा होने की अनुमानित लागत 26,67,593.85 करोड़ रुपए है, जो 4,38,049.58 करोड़ रुपए की कुल लागत वृद्धि को ?दिखता है। रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर 2021 तक इन परियोजनाओं पर 12,88,558.49 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, जो परियोजनाओं की अनुमानित लागत का 48.30 फीसदी है। रिपोर्ट में हालांकि कहा गया कि यदि देरी की गणना परियोजनाओं को पूरा करने के संशोधित कार्यक्रम के आधार पर की जाए तो देरी से चलने वाली परियोजना की संख्या 385 तक हो सकती है।

फिलस्तीन के मामले में इजराइल को लेकर नहीं बदलेगी इंडोनेशिया की नीति : फैजास्याह

जकार्ता (ईएमएस)। आख़िरकार यह बात साबित हो गई है कि बीते सप्ताह इंडोनेशिया के दौरे पर गए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इंडोनेशिया को इजराइल के साथ रिश्ते सामान्य करने पर चर्चा की थी। इंडोनेशिया के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच हुई अहम बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई थी।

इंडोनेशिया दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है और फिलस्तीनी मुद्दों को समर्थन देने के कारण उसके इजराइल के साथ कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं। इंडोनेशिया के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता तेउकू फ़ैज़ास्याह ने कहा कि ब्लिंकन और इंडोनेशिया की विदेश मंत्री रेत्नो मर्सुदी के बीच इस मुद्दे को लेकर चर्चा हुई थी। वह मध्य पूर्व के बाहर उन बड़े देशों की ओर देख रहा है जो इसराइल को मान्यता नहीं देते हैं।

ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन और अमेरिका के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें इसराइल के साथ शांति बहाली और कूटनीतिक रिश्ते कायम करने की दिशा में सहमति दी गई है। इसी समझौते को 'अब्राहम अकॉर्ड्स' कहा गया था।

इंडोनेशिया विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता फ़ैज़ास्याह ने बैठक को लेकर कहा कि उनकी विदेश मंत्री मर्सुदी ने अमेरिकी विदेश मंत्री को दो टूक जवाब दिया है। फ़ैज़ास्याह ने बताया कि मर्सुदी ने 'इंडोनेशिया की फ़लस्तीन और वहां के लोगों की न्याय एवं आज़ादी की लड़ाई को लेकर अपनी दृढ़ स्थिति के बारे में बताया। फिलस्तीन के मामले में इजराइल को लेकर हमारी नीति नहीं बदलेगी। इंडोनेशिया का यह रुख़ बाइडन प्रशासन के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार अमेरिकी और इसराइली अधिकारियों ने हाल के महीनों में अब्राहम अकॉर्ड्स को विस्तार देने पर चर्चा की है और इस चर्चा के दौरान इंडोनेशिया का नाम सामने आया। इस रिपोर्ट में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया था कि जो बाइडन प्रशासन अब्राहम अकॉर्ड्स को विस्तार करने के काम में 'चुपचाप लेकिन काफ़ी लगन से' लगा हुआ है और इसमें कुछ समय भी लग सकता है।

फ़लस्तीन को लेकर इंडोनेशिया में लोगों की भावनाएं हमेशा से उफ़ान पर रही हैं। मई में इसराइल और फ़लस्तीन के बीच हुए संघर्ष के दौरान इंडोनेशिया में कई लोग फ़लस्तीन के समर्थन में सड़कों पर उतरे थे। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री प्रबावो सुबियांतो इस साल नवंबर में बहरीन में मनामा डायलॉग कॉन्फ्रेंस के दौरान इसराइली राजनयिक के साथ एक तस्वीर में दिखे थे, जिसके बाद उनके प्रवक्ता को इसको लेकर सफ़ाई जारी करनी पड़ी थी।

बयान में कहा गया था कि रक्षा मंत्री फ़लस्तीन के मुद्दे को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

वित्त वर्ष 21 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त वर्ष 21 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह 4.69 लाख करोड़ रुपए रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 4.80 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2.3 प्रतिशत कम है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 19 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह 4.61 लाख करोड़ रुपए, वित्त वर्ष 20 में 4.80 लाख करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 21 में यह 4.69 लाख करोड़ रुपए रहा है। आयकर संग्रह में ब्याज कर, फ्रिंज लाभ कर, आय और व्यय कर शामिल है। सरकार ने प्रत्यक्ष कर राजस्व को लेकर कई कदम उठाये हैं ताकि कर संग्रह में बढोतरी होने के साथ ही करदाता आधार भी बढ़े और स्वैच्छिक तौर पर अनुपालनों को बढ़ावा मिल सके। इसके अतिरिक्त डिजिटल लेनदेन को भी बढ़ावा देने के साथ ही कर चोरी पर भी लगाम लगाने की कोशिश की है। वित्त मंत्रालय ने लोगों को रिटर्न दाखिल करने को सरल बनाने के उद्देश्य से नया रिटर्न पोटर्ल शुरू किया है जिसमें पहले से भरा हुआ फॉर्म है और संबंधित व्यक्ति के सारे वित्तीय आंकड़े में उसमें होते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में ?पिछले सात दिसंबर में 3.61 लाख करोड़ रुपए के व्यक्तिगत आयकर राजस्व मिला है। सरकार की कोशिशों और कर चोरी रोकने के उपायों के बावजूद करीब 140 करोड़ की आबादी वाले इस देश में मात्र 1.5 करोड़ लोग की आयकर दे रहे हैं।

ओमिक्रॉन के कारण उड़ानें रद्द होने के कारण बेमजा हुई छुट्टियां

-विमानन कंपनियों ने स्टाफ की कमी कारण बताया

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका में क्रिसमस की छुट्टियों को कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट का ग्रहण लग गया। दरअसल, साल के सबसे व्यस्ततम यात्रा समय के दौरान, छुट्टियों के मौसम का मजा किरकिरा करते हुए विमानन कंपनियों ने सैकड़ों उड़ानों को रद्द कर दिया। एयरलाइन्स ने इसके पीछे कोविड-19 के कारण स्टाफ की कमी को वजह बताया है। उड़ानों की गतिविधि की निगरानी करने वाली वेबसाइट ने बताया कि शुक्रवार को रद्द की गई 690 उड़ानों की तुलना में शनिवार को अमेरिका में प्रवेश करने, यहां से उड़ान भरने वाली या अंदर जाने वाली लगभग 1,000 उड़ानें रद्द की गई। रविवार के लिए 250 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी हैं। फ्लाइटअवेयर ने उड़ानों के रद्द होने का कारण स्पष्ट नहीं किया।

डेल्टा, यूनाइटेड और जेटब्लू सभी ने शुक्रवार को कहा था कि ओमिक्रॉन स्वरूप के कारण कर्मचारियों की समस्या हो रही है जिसके कारण उड़ानें रद्द हो रही हैं। यूनाइटेड की प्रवक्ता मैडी किंग ने कहा कि स्टाफ की कमी अभी उड़ानें रद्द होने का कारण बन रही है और यह स्पष्ट नहीं है कि सामान्य परिचालन फिर से कब शुरू हो पाएगा। उन्होंने ओमीक्रोन के चलते कर्मचारियों की कमी के बारे में कहा, यह अप्रत्याशित था। डेल्टा और जेटब्लू से शनिवार तक जवाब प्राप्त नहीं हो सके।

क्रिसमस पर पूर्वी कांगो के एक रेस्त्रां में हुआ आत्मघाती हमला, आधा दर्जन की मौत

-जान बचाने के लिए सड़कों पर भागे लोग

बेनी (ईएमएस)। पवित्र क्रिसमस के अवसर पर अफ्रीकी देश कांगो में एक आत्मघाती हमलावर ने एक रेस्तरां में हमला किया, जिसमें आधा दर्जन लोगों की मौत हो गई। बम विस्फोट के बाद इलाके में भारी गोलीबारी भी हुई, जिससे घबराए लोग जान बचाने के लिए सकड़ों पर दौड़ पड़े। नार्थ किवू के गवर्नर के प्रवक्ता गेन सायवेन इकेंगे ने बताया कि सुरक्षा बलों ने हमलावर को भीड़-भाड़ वाले बार में जाने से रोका तो उसने बार के प्रवेश द्वार पर ही खुद को विस्फोट कर उड़ा लिया। उन्होंने एक बयान में कहा,'हम लोगों से सतर्क रहने और छुट्टियों के दौरान भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने का अनुरोध करते हैं। शहर में और बेनी क्षेत्र में, इन दिनों यह पता लगाना मुश्किल है कि कौन क्या है।'

एक प्रत्यक्षदर्शी राचेल मगाली ने बताया कि वह अपनी रिश्तेदार के साथ उक्त स्थान पर तीन घंटे से थीं, तभीबाहर तेज धमाके की आवाज हुई। उन्होंने कहा, 'अचानक हमने बार के इर्द-गिर्द काला धुआं देखा और लोग रोने एवं चिल्लाने लगे। हम बाहर की ओर भागे, जहां हमने लोगों को जमीन पर पड़े देखा। हरे रंग की प्लास्टिक की कुर्सियां यहां-वहां बिखरी थीं और कई शवों के सिर और हाथ धड़ से दूर पड़े थे। सब कुछ बेहद भयावह था।' मेयर नारसिसे ने बताया कि मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। घटना में कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

उन्होंने प्रेस से कहा, 'इस आतंकवादी हमले के साजिशकर्ताओं का पता लगाया जा रहा है।' गौरतलब है कि इस इलाके में आईएस आतंकवादी सक्रिय हैं और जून में भी बेनी इलाके में हुए दो विस्फोट की जिम्मेदारी आईएस के आतंकवादियों ने ली थी।

मेघालय और असम ने आरडीएसएस के तहत प्रस्तावों को मंजूरी दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरईसी लिमिटेड ने कहा कि मेघालय और असम ने बिजली वितरण कंपनियों के पुनरुद्धार के लिए लाई गई पुर्नोत्थान वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। आरईसी के एक बयान में कहा गया है ?कि मेघालय और असम की राज्य सरकारें इनके परिचालन और वित्तीय सुधारों के साथ-साथ पुर्नोत्थान वितरण क्षेत्र योजना के तहत इसे पूरा करने के लिए अंतर्निहित कार्यों की योजना बनाने में सबसे आगे हैं। तदनुसार, उनकी राज्य स्तरीय वितरण सुधार समिति (डीआरसी) और राज्य मंत्रिमंडल ने योजना के तहत कार्य योजना और डीपीआर सहित प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इन प्रस्तावों को अब अनुमोदन के लिए विद्युत मंत्रालय द्वारा गठित निगरानी समिति के समक्ष रखा जाएगा।

शीतकालीन ओलंपिक से पहले चीन में कोरोना मामलों की अचानक वृद्धि, स्वास्थ्य आयोग ने बताया आंकड़ा

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में 2022 फरवरी में आयोजित होने वाले जा रहे बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों से पहले कोविड-19 संक्रमण के नए मामलों में अचानक बढ़ोतरी देखी गई है। देश में कोविड-19 के 206 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 158 स्थानीय स्तर पर संक्रमण के मामले हैं। देश के स्वास्थ्य आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि कोरोना वायरस के नए मामलों में से 157 मामले शानक्सी और एक मामला गुआंग्शी प्रांत में सामने आया। देश में 2022 में चार फरवरी से 20 फरवरी तक बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन होना है। इससे पहले मामलों में बढ़ोतरी ने चिंताएं पैदा कर दी हैं और अधिकारी संक्रमण को काबू करने की कोशिश कर रहे हैं।

चीनी अधिकारियों ने ओमीक्रोन से संक्रमण के पहले मामले की जानकारी 13 दिसंबर को दी थी। यह मामला तियानजिन शहर में सामने आया था। इसके बाद देश में ओमिक्रॉन संक्रमण के कई मामले सामने आए। आयोग ने बताया कि चीन में संक्रमण के 2,011 उपचाराधीन मामले है, जिनमें से नौ की हालत गंभीर है। पिछले 24 घंटे में संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई और 76 मरीजों को शनिवार को अस्पतालों से छुट्टी दी गई। चीन में अभी तक संक्रमण के 1,01,077 मामले सामने आए हैं और 4,636 लोगों की इससे मौत हो चुकी है।

केंद्र ने सहकारी समितियों का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के ?लिए परामर्श शुरू किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने कहा ?कि उसने सहकारी समितियों पर एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श लेना शुरू कर ?दिया है। केंद्र का कहना है ?कि परामर्श से राज्यों और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बीच तालमेल स्थापित करने में मदद मिलेगी और साथ ही प्रभावी कामकाज तथा बाजार उन्मुखीकरण को बढ़ावा मिलेगा। इस संबंध में हाल ही में पहली बैठक सहकारिता सचिव डीके सिंह की अध्यक्षता में हुई थी। इस बैठक में केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों के अलावा सहकारी संघों, आरबीआई, नाबार्ड और आईआरएमए जैसे संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे। सहकारिता मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ईएमएस को बताया ?कि राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस का सभी ने स्वागत किया। यह सहकारी क्षेत्र में नीति निर्माण के लिए सबसे महत्वपूर्ण साधन होगा। उन्होंने कहा कि कई राज्य सरकारें और केंद्रीय मंत्रालय सहकारी समितियों के लाभ के लिए योजनाएं चला रहे हैं, लेकिन इस समय कोई प्रामाणिक डेटाबेस नहीं है। अधिकारी ने कहा कि डेटाबेस को सुव्यवस्थित करने के लिए हितधारकों से डिजिटल या भौतिक रूप में उपलब्ध डेटा देने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि हितधारकों से आंकड़ों को तत्काल अपडेट करने और इसके लिए तंत्र स्थापित करने पर अपने विचार देने के लिए कहा गया है। इसके अलावा आंकड़ों की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के तरीकों पर भी सुझाव मांगे गए हैं। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) के आंकड़ों के अनुसार इस समय 8.5 लाख सहकारी समितियां हैं, जिनमें से 20 प्रतिशत ऋण सहकारी समितियां हैं और शेष 80 प्रतिशत गैर-ऋण सहकारी समितियां हैं।

फ्रांस में कोरोना का कोहराम, 24 घंटे में मिले एक लाख संक्रमित

-ब्रिटेन के बाद फ्रांस में भी कोरोना की नई लहर का कहर

पेरिस(ईएमएस)। कोरोना का संक्रमण फिर यूरोप के देशों में तेजी से फैल रहा है। ब्रिटेन के बाद फ्रांस में भी कोरोना की नई लहर देखने को मिली है। फ्रांस में एक दिन में रिकार्ड एक लाख चार हजार 6 सौ ग्यारह नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले यहां 94,124 नए मामले आए थे। कोरोना से शनिवार को यहां 84 लोगों की मौत हुई। फ्रांस में कोरोना की नई लहर के लिए ओमिक्रॉन को जिम्मेदार माना जा रहा है। एक साथ इतने लोगों के संक्रमित होने से अस्पतालों पर दबाव बढ़ गया है। इनमें अधिकतर ऐसे लोग हैं जिन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया था। फ्रांस में कोरोना के 16 हजार से अधिक मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से 3300 मरीज गंभीर हैं। फांस में अब तक कोरोना ने 1,22,500 से अधिक लोगों की जान ली है।

ओमिक्रॉन के बढ़ते संक्रमण से निपटने के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने स्वास्थ्य विभाग को आदेश दिया है। उन्होंने देश में फैले कोरोना वायरस पर चर्चा के लिए सोमवार को स्वास्थ्य रक्षा परिषद की बैठक बुलाई है। सरकार के प्रवक्ता गेब्रियल अट्टल ने कहा है कि सरकार एक ऐसी प्रणाली को अपनाने का इरादा रखती है, जिसमें लोगों को जनवरी की शुरुआत में बार, रेस्तरां और सांस्कृतिक स्थलों में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह से टीकाकरण की आवश्यकता हो, ताकि कोरोना के प्रसार को धीमा करने में मदद मिल सके। गौरतलब है कि फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्री ओलिवियर वेरन ने इस सप्ताह की शुरुआत में भविष्यवाणी की थी कि क्रिसमस से नए साल के दिन की अवधि के दौरान फ्रांस में ओमिक्रॉन से अधिक लोग संक्रमित होने लगेंगे। दूसरी ओर ब्रिटेन और इटली में भी ओमिक्रॉन का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। ब्रिटेन में सप्ताह भर में लगातार एक दिन के भीतर औसतन 1.20 लाख से ज्यादा नए मामले मिले हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी को आशंका है कि अगले सप्ताह हर 10वां शख्स संक्रमित हो सकता है। अमेरिका में कोरोना मामलों की औसत संख्या 45 फीसद बढ़कर 1.79 लाख प्रतिदिन हो गई है।

फरवरी 2022 तक 45 कंपनियां ला सकती हैं अपना आईपीओ, कई स्टार्टअप शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। साल 2021 की तरह अगला साल भी आईपीओ के लिहाज से सुपर हिट होगा है। फरवरी 2022 तक 45 कंपनियां अपने इश्यू ला सकती हैं। इसमें स्टार्टअप का भी समावेश होगा।2022 में सबसे बड़ा आईपीओ एलआईसी का होगा। हालांकि इसके इश्यू पर अभी भी कोई समय सीमा तय नहीं है। सरकार की कोशिश है कि मार्च से पहले इस लाया जाए। पर अभी तक इसका वैल्यूएशन और अन्य प्रक्रिया जारी है। इसके साथ ही ओला, बायजू, ओयो जैसे स्टार्टअप भी बाजार में उतरने की तैयारी में है। एलआईसी 80 हजार करोड़ से एक लाख करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है।

डेलहीवरी ने सेबी के पास मामले में पेपर जमा करा दिया है। देश में इस साल कुल 79 यूनिकॉर्न थे। इसमें से 42 यूनिकॉर्न तब अकेले इसी साल बने हैं। स्टार्टअप के मामले में भारत तीसरे नंबर पर है। यहां पर वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स और नए उद्यमी लगातार यूनिकॉर्न स्टार्टअप बना रहे हैं। इस साल बाजार के दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली तीन कंपनियां बाजार में उतरी थीं। इसमें मेट्रो ब्रांड, नजारा और स्टार हेल्थ थीं। नजारा को छोड़कर दो कंपनियों ने निवेशकों को घाटा दिया है।

सेबी के पास पिछले तीन महीने में तीन दर्जन से ज्यादा कंपनियों ने इश्यू लाने के लिए कागजात जमा कराया है। इसमें अडाणी विल्मर, गो फर्स्ट एयरलाइंस, ड्रूम टेक्नोलॉजी, स्नैपडील जैसी कंपनियां शामिल हैं। अडाणी विल्मर 4500 करोड़ रुपए जबकि गो फर्स्ट 3500 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। जनवरी से लेकर अब तक कुल 63 कंपनियां बाजार में आई हैं। यह सभी मिलाकर बाजार से 1.29 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 16 करोड़ डॉलर घटा

मुंबई (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार गत 17 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 16 करोड़ डॉलर घटकर 635.67 अरब डॉलर पर आ गया। इससे पिछले सप्ताह यह 7.7 करोड़ डॉलर घटकर 635.83 अरब डॉलर पर रहा था।

गुजरात में कोरोन के नए 177 मामले, एक्टिव केसों की संख्या 1000 के करीब

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में आज लगातार दूसरे दिन कोरोना के डेढ़ सौ अधिक मामले सामने आए हैं शनिवार को राज्य में 179 केस दर्ज हुए थे, वहीं रविवार को 177 नए मामले सामने आए हैं राहत की बात है कि आज राज्य में कोरोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई और न ही ओमिक्रॉन का एक भी केस सामने आया आज 66 मरीज ठीक होकर अपने घर लौट गए राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 98.67 प्रतिशत है स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक रविवार को राज्य में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में कोरोना के 52 नए केस दर्ज हुए वहीं राजकोट कॉर्पोरेशन में 24, सूरत कॉर्पोरेशन में 20, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 15, राजकोट कॉर्पोरेशन में 8, वलसाड में 8, सूरत में 5, अमरेली में 4, गिर सोमनाथ में 4, खेडा में 4, कच्छ में 4, बनासकांठा में 3, जामनगर कॉर्पोरेशन में 3, आणंद में 2, गांधीनगर में 2, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 2, जूनागढ़ कॉर्पोरशन में 2, अहमदाबाद में 1, भरुच में 1, भावनगर में 1, भावनगर कॉर्पोरेशन में 1, जामनगर में 1, मेहसाणा में 1, नवसारी में 1, पंचमहल में 1, साबरकांठा में 1, तापी में 1 और वडोदरा में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 177 नए मरीज सामने आए हैं वहीं 6 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट गए जिसमें अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 20, राजकोट कॉर्पोरेशन में 13, सूरत कॉर्पोरेशन में 10, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 7, आणंद में 4, कच्छ में 3, मेहसाणा में 3, नवसारी में 3 और वलसाड में 2 समेत 66 लोग शामिल हैं अब तक राज्य में कुल 818298 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 10113 लोगों के खिलाफ अपनी जिंदगी हार गए राज्य में कोरोना के एक्टिव केसों संख्या 948 पर पहुंच गई हैं जिसमें 938 स्टेबल हैं और 10 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं राहत बात यह है कि आज राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई और साथ ही ओमिक्रॉन का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ दूसरी ओर राज्य में चल रहे वैक्सीनेशन अभियान के तहत आज 41031 नागरिकों का टीकाकरण किया गया जिसमें 3 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंटलाइन वर्कर को पहला और 92 को दूसरा डोज दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 1472 को कोरोना का पहला और 8355 लोगों को कोराना का दूसरा टीका लगाया गया 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 5597 को पहली और 25512 नागरिकों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई राज्य में अब तक कुल 88196230 नागरिकों का टीकाकरण हो चुका हैं

गुजरात में 6 दिनों में कोरोना के 639 हुए दर्ज, 12 मरीजों की मौत हो गई

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई हैं खासकर पिछले 6 दिनों के भीतर राज्यभर में 639 कोरोना के नए केस दर्ज हुए हैं जबकि 12 मरीजों की इन छह दिनों के दौरान मौत हो गई दूसरी ओर कोरोना के नए वेरिएन्ट ओमिक्रॉन के केसों में भी लगातार वृद्धि हो रही हैं बीते दिन ओमिक्रॉन के 4 नए केसों की साथ राज्य में इसके कुल केसों की संख्या 49 पर पहुंच गई हैं गत सोमवार को राज्य में कोरोना के 70, मंगलवार को 87, बुधवार को 91, गुरुवार को 111, शुक्रवार को 98 और शनिवार को 179 नए मामले दर्ज हुए खासकर पिछले तीन दिनों में कोरोना के मामले दोगुने हो गए हैं वहीं 1 दिसंबर से 19 दिसंबर को दौरान राज्य में कोरोना से 9 लोगों की मौत हुई थी और 20 से 25 दिसंबर के दौरान कोरोना 12 लोगों को निगल गया कोरोना के लगातार मामलों को देखते हुए हरकत में आई सरकार ने राज्य के 8 महानगरों गांधीनगर, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, भावनगर, राजकोट, जूनागढ़ और जामनगर में रात्रि कर्फ्यू का समय बढ़ा दिया 24 दिसंबर तक रात्रि कर्फ्यू का समय रात 1 बजे से सुबह 5 बजे तक था, लेकिन कोरोना संक्रमण बढ़ता देख 25 दिसंबर से रात्रिकालीन कर्फ्यू के समय में वृद्धि की गई हैं 25 दिसंबर से अगले आदेश तक इन महानगरों में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू रहेगा कोरोना के मामले में यूं ही बढ़ते रहे तो आनेवाले समय में सरकार कई और सख्त कदम उठा सकती हैं संभावना है कि सरकार रात्रि कर्फ्यू का समय और बढ़ा सकती हैं जानकारी है कि राज्य के 8 महानगरों में रात्रि कर्फ्यू रात 9 बजे से सुबह 6 बजे तक किया जा सकता हैं हांलाकि इसका आगामी एक-दो दिन में कोरोना के नए मामलों को देखते हुए किया जाएगा

सिविल में ओमीक्रॉन मरीज की संख्या हाल में एक है

अहमदाबाद, २६ दिसंबर ।

ओमीक्रॉन का खतरा लगातार बढ़ रहा है । अब अहमदाबाद की सिविल अस्पताल में १२०० बेड की विशेष कोरोना डेज्गिनेटेड अस्पताल में स्थित ओमीक्रॉन वार्ड में पिछले ११ दिन से सिर्फ एक ही मरीज उपचार के तहत था । पूरे वार्ड में वह एक सिर्फ मरीज होने से दिन बिताना काफी मुश्किल हो जाता था । यह मरीज ने अपनी दिनचर्या में बताये अनुसार सबसे ज्यादा समय वह श्रीमद भागवत कथा और शिव महापुराण सुनते थे । इसके अलावा घर के सदस्यों के साथ विडियो कॉल करके अपना समय बिताते थे । डॉक्टरों ने कहा है कि ओमीक्रॉन मरीज जल्दी से ठीक हो रहे हैं । ११ दिन पहले इंग्लैंड से भारत वापस आये आणंद के ४८ वर्षीय पुरुष का कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आया था । जिसकी वजह से तुरंत सिविल अस्पताल में बनाया गया आधुनिक ओमीक्रॉन वार्ड में उनको भर्ती किया गया । जिसके बाद उनका रिपोर्ट चेक करने पर वह ओमीक्रॉन पॉजिटिव होने का मालूम हुआ । हालांकि इस बीच पूरे अस्पतालों में वह एक सिर्फ मरीज होने की वजह से पूरा दिन गुजारना मुश्किल हो गया । लेकिन मरीज ने समय बिताने के लिए पूरा टाइम टेबल बनाया । मरीज के अनुसार वह ७.३० बजे उठते थे । जिसके बाद फेश होकर पिता के साथ बातें करते और हल्दी वाला गर्म पानी पीते थे । इसके बाद उनको ब्रेकफास्ट दिया जाता था जिसके बाद उनको दवाई दी जाती थी । जिसके बाद वह भागवत कथा और शिव पुराण सुनते थे । जिसके बाद दोपहर में घर के सदस्य के साथ बात करते थे । इसके बाद १२.३० बजे खाने के बाद वह वार्ड में ही थोड़ा वोकिंग कर लेते थे । इसके बाद कुछ देर आराम करते और दोपहर के बाद चाय पानी नास्ता करते थे । जिसके बाद रोजाना दोपहर में ३-४ दोस्तों के साथ बातें करते थे । इसके बाद शाम को ७.३० के करीब भोजन और रात को ८.३० के करीब सो जाते थे ।

पश्चिम रेलवे द्वारा पश्चिम रेलवे मुख्यालय के गोडबोले सांस्कृतिक सभागार का नूतनीकरण

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल और पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती तनुजा कंसल द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभागार का उद्घाटन

कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मुंबई स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट के गोडबोले सांस्कृतिक सभागार को हाल ही में नवीनीकृत किया गया है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल ने हाल ही में चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में नवीनीकृत सभागार का उद्घाटन किया। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (ँ) की अध्यक्षा श्रीमती तनुजा कंसल इस कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि थीं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री कंसल ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में श्री अनूप पांडे द्वारा संपादित गद्य और काव्य का संकलन ''कृष्णाष्टक'' का विमोचन किया। प्रसिद्ध और राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कोरियोग्राफर श्री संदीप सोपरकर, फैशन विशेषज्ञ और मॉडल

सुश्री सोनिया मेयर्स, कलाकार श्री नीलेश औटी और फिल्मी कलाकार और एनएसडी स्कॉलर श्री अभिजीत लाहिरी और भाषा साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र, पुणे की डिस्कोर्स डायरेक्टर डॉ. पूर्णिमा कुलकर्णी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले प्रमुख अतिथि थे। पश्चिम रेलवे मुख्यालय, लोअर परेल कारखाना और महालक्ष्मी कारखाना के कलाकारों द्वारा प्रसिद्ध लेखक मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित ठनमक का दरोगाठ नाटक का मंचन किया गया। प्रेमचंद के लेखन के जादू को प्रदर्शित करने के लिए कलाकारों के प्रभावी प्रदर्शन के साथ और उचित प्रदर्शन को काफी प्रशंसा मिली।

श्री ठाकुर ने बताया कि प्रभावशाली नाटक के बाद एक संगीतमय संध्या की शुरुआत हुई, जिसमें पश्चिम रेलवे मुख्यालय के कलाकारों द्वारा गीत और नृत्य प्रदर्शन के साथ बॉलीवुड के ब्लैक एंड व्हाइट रंगीन युग को फिर से जीवंत किया गया। महाप्रबंधक श्री कंसल और अध्यक्षा श्रीमती कंसल ने दिन को यादगार बनाने के लिए पश्चिम रेलवे कला एवं सांस्कृतिक संगठन द्वारा किए गए सभी प्रयासों की सराहना की। इन शानदार प्रदर्शनों के साथ सभागार को अब अपनी नई प्रस्तुतियों के लिए नया रूप दिया गया है।

कोविड गाइडलाइन के पालन को लेकर शिक्षा विभाग करेगा स्कूलों में औचक जांच

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के साथ ही ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को लेकर राज्य सरकार हरकत में आई गई हैं दूसरी ओर स्कूलों में विद्यार्थियों के संक्रमित होने की कई घटनाओं के बाद शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया है और स्कूलों कोविड गाइडलाइन का सख्ती पालन करने का आदेश दिया हैं इसके अंतर्गत राज्य की स्कूलों में औचक जांच की जाएगी, यदि किसी स्कूल में कोविड गाइडलाइन पालन करने में कोताही बरती गई तो उसके संचालक के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी साथ ही स्कूलों में ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था जारी हैं यदि किसी स्कूल ने ऑनलाइन शिक्षा बंद कर दी होगी तो उसके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी वैसे तो केन्द्र सरकार ने आगामी 3 जनवरी 2021 से 15 वर्ष से 18 वर्षीय किशोरों को टीकाकरण करने का ऐलान किया हैं सरकार के इस फैसले का अभिभावक स्वागत कर रहे हैं लेकिन इसके साथ ही स्कूलों में कोविड गाइडलाइन का पालन करना जरूरी हैं कोरोना को रोकना है तो स्कूलों में बच्चों को सोशल डिस्टेंस में बैठाना, अनिवार्य रूप से मास्क लगाना और हैंड सैनिटाइज समेत नियमों का पालन आवश्यक हैं ज्यादातर स्कूलों में कोविड गाइडलाइन का पालन नहीं होता और इसके लिए विद्यार्थियों को टोका भी नहीं जाता अब स्कूलों में कोविड गाइडलाइन का पालन नहीं किया गया तो शिक्षा विभाग की ओर से औचक जांच कर उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी

भावनगर के किसानों ने नुकसान मुआवजा के लिए अर्जी की

जिले में भारी बारिश जैसे माहौल के बीच खेतों में तैयार हुई फसल गीली हो जाने की वजह से कई किसानों को नुकसान

भावनगर, २६ दिसंबर ।

भावनगर जिले में मानसून के दौरान भारी बारिश जैसा माहौल पैदा हो गया और इसके बाद बेमौसम बारिश होने पर किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है । मानसून के दौरान जिले के कई तहसीलों में १०० फीसदी से ज्यादा बारिश दर्ज किया गया । अब महुवा तहसील में १३० फीसदी, गारियाधार तहसील में १३० फीसदी, घोघा तहसील में भी १२४ फीसदी तथा जिले के अन्य तहसीलों में १०० फीसदी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है । जिले में औसत १०६ फीसदी बारिश दर्ज की गई, जिसमें भारी बारिश जैसे माहौल के बीच खेतों में तैयार हुई फसल गीली हो जाने की वजह से कई किसानों को भारी नुकसान हुआ है, जिसके तहत सरकार द्वारा राहत पैकेज जारी किया गया । जिसमें ६ दिसंबर से २४ दिसंबर तक अर्जी करने के लिए दिए गए समय के दौरान अभी तक में १ लाख ५९ हजार ३५३ किसानों द्वारा नुकसान मुआवजा के लिए ऑनलाइन अर्जी की गई है । भारी बारिश की वजह से महुवा, गारियाधार, जेसर और घोघा सहित सभी तहसीलों में किसानों की तैयार हुई फसल में व्यापक असर हुई थी । किसानों के खेतों में खड़ी फसल धुल गई थी । अब किसानों को नुकसान सहायता देने की मांग को लेकर सरकार द्वारा राहत पैकेज जारी किया गया था । यह राहत पैकेज के तहत अर्जियां स्वीकार करने की अवधि पूरी हो गई है तब सरकार नुकसान सहायता की रकम जल्दी से भुगतान करे तो यह रकम किसान अन्य फसल के लिए उपयोग में लिया जा सके ऐसी किसानों द्वारा मांग की गई है । सरकार द्वारा राहत पैकेज-२ जारी किए गए जाने पर भावनगर तहसील के १०,१७२, भावनगर सिटी के ८५६, गारियाधार तहसील के १६,३५८, घोघा तहसील के ८८१७, जेसर तहसील के ९४९८, महुवा तहसील के २८,७५५, पालीताना तहसील के १५,४९६, शिहोर तहसील के १७,३४६, तलाजा तहसील के २५,९२६, उमराला तहसील के १२,३९१ और वल्लभीपुर तहसील के १३,७३८ किसानों द्वारा नुकसान सहायता मामले में अर्जी की गई है ।

कार चालक द्वारा पैदल जाते पैदल यात्रियों पर कार चढ़ा दी

राजकोट, २६ दिसंबर ।

उपलेटा में भीषण दुर्घटना हुई है । इस दुर्घटना में दो महिलाओं की घटनास्थल पर ही निर्मम मौत हुई है । एक कार चालक ने पैदल जाते पैदल यात्रियों पर कार चढ़ा दी, जिसमें दो महिला पैदल यात्रियों की मौत हुई है । वडोदरा जिले के पादरा से एक संघ पैदल यात्रा करके द्वारका जाने के लिए निकला । यह पैदल यात्रा संघ में ९० पुरूष और कई महिलाएं शामिल थी । गत रात को पैदल यात्रा संघ धोराजी तहसील के सुपेडी पहुंचा । सुपेडी गांव में रात में ठहरने के बाद सुबह में पुरूष और महिलाओं का संघ पैदल यात्रा आगे जा रहा था । इसके बाद संघ उपलेटा पोरबंदर हाइवे पर मोज नदी के किनारे पर पुल के पास स्थित कारेश्वर महादेव के मंदिर के सामने पहुंचा । जहां यह निर्मम घटना हुई थी । जीजे ०१ आरए ७१०० नंबर की कार के चालक ने यहां रोड पर काबू गंवाया था । कार चालक ने संघ के लोगों को पीछे से टक्कर मारी थी । जिसमें दो महिला पैदल यात्रियों की मौत हुई थी । मृतकों में कैलासबहन गोविंदभाई चौहाण और कैलासबहन भगवानसिंह गोहिल शामिल है । दोनों घरकाम करके परिवार का गुजारा करते थे । घटना की जानकारी मिलने पर उपलेटा पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए कोटेज अस्पताल भेज दिया । अहमदाबाद से पोरबंदर जा रहे कार चालक को पुलिस ने हिरासत में लेकर पुलिस स्टेशन में ले जाया गया ।

अहमदाबाद में तीसरी लहर पहले की तैयारियां

वीएस श्मशानगृह में सीएनजी भट्ठी लगाई जाएगी

अहमदाबाद, २६ दिसंबर ।

भारत में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान लोगों को परेशान कर दिया था । गुजरात के बड़े शहरों में स्थिति बेकाबू हो गई थी । अस्पतालों, ऑक्सीजन प्लांट, दवाई की दुकान और श्मशान के बाहर लगी लाइनें दिल दहला देने वाली थी । दूसरी लहर के बाद तीसरी शहर में स्थिति काबू में रखने के लिए ऑक्सीजन से लेकर अस्पतालों में विभिन्न प्रकार की तैयारियां की गई है । ऐसे में वीएस श्मशानगृह में पहली बार सीएनजी भट्ठी लगाने की तैयारियां की गई । दूसरी लहर के दौरान अहमदाबाद में श्मशानगृह के बाहर भी घंटों की वेइटिंग चलती थी । ऐसे में अलग-अलग श्मशानों में सीएनजी भट्ठी २४ घंटे चलती होने से पीगल जाने के मामले भी बने है । इसी वजह से लोगों में प्रशासन के खिलाफ भारी नाराजगी देखने को मिल रही है । ओमीक्रॉन वेरिएंट की भय के बीच गुजरात तथा देश के अन्य राज्यों में कोरोना के केस में फिर एक बार वृद्धि दर्ज हो रही है । ऐसी स्थिति में अस्पतालों में पहले से ही तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है । अब शहर के वीएस श्मशानगृह में भी जरूरी कामकाज किया जा रहा है । इसके अलावा अन्य श्मशानगृहों में भी जरूरी तैयारियां की गई है । जिसमें लकड़ी की चिता की घोडी के साथ सीएनजी भट्ठी की रिपेरिंग काम आदि किया गया है । वीएस श्मशानगृह में अतिरिक्त एक सीएनजी भट्ठी लगाने के लिए अलग रुम की व्यवस्था की गई है । इसके अलावा श्मशान में जरूरी रिपेरिंग काम भी किया जाएगा । इसके लिए ४९ लाख रुपये का खर्च होने का प्रस्ताव रोड कमेटी में रखा गया है । शनिवार को गुजरात में कोरोना वायरस के नए १७९ केस दर्ज किए गए हैं और सामने ३४ मरीज ठीक हुए हैं । कोरोना वायरस की वजह से और २ मरीज की मौत होने पर कुल मौत का आंकड़ा १०,११३ पर पहुंच गया है । पिछले २४ घंटे में अहमदाबाद में ६१, सूरत में २०, आणंद में १८, वडोदरा में १४, राजकोट में १३, सूरत में ९, नवसारी में ५, सुरेन्द्रनगर में १ केस दर्ज किया गया है ।

ओवर स्पीड वाहन चलाने वालों की अब खैर नहीं. अहमदाबाद पुलिस का खास अभियान

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर में तेज रफ्तार में वाहन चलाने वालों की अब खैर नहीं हैं ओवर स्पीड में वाहन चलाने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस हरकत में आ गई हैं ओवर स्पीड को कंट्रोल करने के लिए इंटरसेप्टर वाहनों को अहमदाबाद के 6 जगहों पर तैनात कर दिया गया है, जिनके जरिए तेज रफ्तार वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही हैं अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक अहमदाबाद के केशवबाग तीन रास्ते से मानसी सर्कल होकर जजीस बंगला चौराहे से सीधे सिंधुभवन की आने-जाने वाले पूरे रास्ते पर पुलिस की नजर होगी शहर के सरदार पटेल बावला चौराहे से विजय चार रास्ता, पांजरा पोल होकर दाहिनी ओर मुडकर अंधजन मंडल चौराहे से वस्त्रापुर तालाब और एसजी हाईवे तक मार्ग पर इंटरसेप्टर वाहन निगरानी करेगा नेहरूनगर सर्कल से सीधे शिवरंजनी ब्रिज के नीचे होकर इस्कॉन चौराहे तक आने-जानेवाले रास्ते पर इंटरसेप्टर वाहन समेत पेट्रोलिंग और टास्क फोर्स रहेगी पूर्वी अहमदाबाद के मेम्को चौराहे से सीधे बापूनगर और अमराईवाडी खोखरा सर्कल तक की सड़क और पूर्वी क्षेत्र का पूरा एसपी रिंग रोड और नरोडा पाटिया से नारोल सर्कल की ओर जाने-आने के पूरे रास्ते पर इंटरस्पेटर वाहन की निगरानी रहेगी दरअसल इन इलाकों में देर रात कई नवाबजादे धूम स्टाइल से बाइक और कार चलाकर स्टंट करते होने की कई शिकायतें पुलिस को मिली थी बाइक पर स्टंट करने और ओवर स्पीड वाहन चलाकर खुद का और अन्य लोगों को जीवन खतरे में डालने वालों को सबक सिखाने के लिए अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस हरकत में आ गई है और ऐसे लोगों के खिलाफ अब सख्त कार्यवाही करेगा

तिब्बतियन युथ कांग्रेस की तरफ से 15 बाइकर्स भारत भ्रमण के लिए निकले

अहमदाबाद, 26 दिसंबर

भारत-तिब्बत मैत्रीसंघ द्वारा आयोजित पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए *राज्य संयोजक डॉ. अमित ज्योतिकर* ने बताया कि भारत-तिब्बत मैत्रीसंघ 1956 (तिब्बत के आजाद होने के बाद) से कार्यरत हैं। चीन की साम्राज्यवादी नीति के कारण ताइवान, हांगकांग और तिब्बत जैसे देश को भी अपने अधीन कर लिया हैं।

1949 में तिब्बत को गुलाम बनाने के बाद चीन का बॉर्डर भारत के नजदीक होने से भारत का सुरक्षा खर्च भी बढ़ गया हैं। यदि तिब्बत आजाद हो जाए तो भारत इसका खर्च अपने विकास में कर सकता हैं।

कोरोना महामारी में भारत-तिब्बत मैत्रीसंघ के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री राहत कोष में भी हर संभव सहायता की हैं।

इन विविध मुद्दों तथा जनजागृति अभियान के संदर्भ में तिब्बतियन युथ कांग्रेस की तरफ से 15 बाइकर्स भारत भ्रमण के लिए निकले हैं। युथ कांग्रेस के अध्यक्ष शेरींग ने बताया कि 2022 में चीन का ओलंपिक में बायकट करना , पंचम लामा को जेल से मुक्ती दिलाना , शहीद हुए 167 तिब्बतियन स्वतंत्र सेनानी की चीन द्वारा की गई हत्या के संदर्भ में सुनवाई . भारत तथा भारतीयों द्वारा किए गए सहयोग के प्रति आभार , तिब्बत एक अलग राष्ट्र है था और रहेगा इस निर्णय के साथ पूरे भारत में भ्रमण कर रहा हैं।

शेरींग ने कहा कि *विश्व के अमेरिका, ब्रिटेन, कनाड़ा, जापान, स्कॉटलैंड सहित 8 राष्ट्रों ने चीन में आयोजित होनी वाली 2022 की ओलंपिक का राजनैतिक विरोध किया हैं।

ऑनलाइन दस्तावेजों की प्रमाणित कॉपी मिलेगी

दस्तावेजों की प्रमाणित कॉपी लेने के चक्कर से मुक्ति

कॉपी लेने के लिए संबंधित अर्जीकर्ता को ६०० रुपया देना होगा

अहमदाबाद, २६ दिसंबर ।

अभी तक में संपत्तियों के दस्तावेजों की प्रमाणित कॉपी लेने के लिए लोगों को सब रजिस्ट्रार की ऑफिस के चक्कर लगाने पड़े थे । यह काम भी वापस एक चक्कर में नहीं होता था । इसके अलावा कई मामले में तो जल्दी दस्तावेजों की कॉपी चाहिए तो पैसा मांगने की शिकायत सामने आई थी । हालांकि, कॉपी लेने के लिए यह सब नहीं करना पड़े और कोई भी ऑनलाइन वह ले सकेगा । हालांकि यह सभी के लिए दो गुना फीस चुकाना पड़ेगा । राज्य सरकार की निरीक्षक ऑफिस में परिपत्र जारी हुआ था । जिसमें १ जनवरी, २०१९ के बाद स्थाई संपत्ति के दस्तावेज ऑनलाइन मिल सकेगा यह बताया गया । जिसके लिए ३०० रुपया प्रोसेसिंग फीस ३०० रुपया स्टेम्प फीस यह कुल ६०० रुपया देना पड़ेगा । हाल सिर्फ १ जनवरी, २०१९ के बाद दस्तावेज ऑनलाइन मिल सके ऐसी व्यवस्था की गई है । ऑनलाइन प्रमाणपत्र लेना नागरिकों को महंगा पड़ेगा । क्योंकि पहले अर्जीकर्ता अर्जी करने के बाद सिर्फ ३०० रुपये का कॉपी ले सकता था और अब ६०० रुपया देना पड़ेगा । राज्य की सब रजिस्ट्रार कार्यालयों में रजिस्ट्रेशन हुए दस्तावेजों की प्रमाणित कॉपी देने का कानून में प्रावधान है । ऐसे दस्तावेज रजिस्ट्रर नंबर १ में नोट किया जाता है । इसके लिए दर्ज हुए दस्तावेजों की प्रमाणित कॉपी अर्जीकर्ता लेना चाहता हो तो वह सब रजिस्टार ऑफिस में दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन हुआ हो तो वहां अर्जी देना पड़ता है । इसके लिए फॉर्म नंबर ३ पर तीन रुपये की कोर्ट फीस की टिकट लगाकर ई-मुद्रा की कॉपी तथा ३०० रुपये का स्टेम्प पैपर लेकर जानकारी देने से प्रमाणित कॉपी संबंधित सब रजिस्ट्रार ऑफिस द्वारा दिया जाता है । राजस्व विभाग द्वारा अर्जीकर्ताओं को सब रजिस्ट्रार ऑफिस के चक्कर लगाये बिना घर बैठे दस्तावेजों की कॉपी मिले इसके लिए प्रस्ताव पारित किया गया था । जिसके बाद इसे लागू किया गया है ।

भाजपा के खिलाफ आंदोलन तेज करेगी आम आदमी पार्टी

-क्लर्क परीक्षा पेपर लीक मामले में भी आंदोलन को तेज करेगी आप

अहमदाबाद(ईएमएस)। सरकारी विभागों में मुख्य क्लर्क की भर्ती के लिये परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के दो नेताओं के अनिश्चितकालीन अनशन के दौरान पार्टी ने कहा है कि वह राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ आंदोलन तेज करेगी। दिल्ली के विधायक और आपा के गुजरात प्रभारी गुलाब सिंह यादव तथा राज्य के नेता महेश सवानी यहां पार्टी कार्यालय में शुक्रवार से भूख हड़ताल पर हैं।

उल्लेखनीय है कि पेपर लीक के विरोध में गांधीनगर में भाजपा मुख्यालय पर धावा बोलने के बाद राज्य इकाई के प्रमुख गोपाल इटालिया सहित आप के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। पार्टी नेता मनोज सोराथिया ने यहां बताया कि अदालत से जमानत मिलने के बाद 28 महिला कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया गया, जबकि इटालिया समेत 65 पुरुष कार्यकर्ता अब भी जेल में हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा की मानसिकता को उजागर करने और विरोध के लिये लोगों का समर्थन जुटाने के वास्ते पार्टी घर-घर जाकर अभियान चलाएगी।

किसान आंदोलन के कारण पश्चिम रेलवे की कई ट्रेनें प्रभावित

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन प्रभावित ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

निरस्तर ट्रेनें:

☐ 27 दिसम्बजर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 19108 ऊधमपुर – भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस

शॉर्ट-टर्मिनेशन/शॉर्ट-ओरिजिनेशन होने वाली ट्रेनें:

☐ 26 दिसम्बजर, 2021 को छूटी तथा 27 एवं 28 दिसम्बरर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन संख्यास 19223 अहमदाबाद जम्मू तवी एक्सप्रेस भटिंडा स्टे शन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

☐ 26 दिसम्बजर, 2021 को छूटी तथा 27 दिसम्बकर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 12925 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस लुधियाना जं. स्टे शन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

☐ 26 दिसम्ब र, 2021 को छूटी तथा 27 एवं 28 दिसम्बेर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 12903 मुंबई सेंट्रल – अमृतसर गोल्डमन टेम्पल मेल लुधियाना जं. स्टे2शन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

☐ 26 दिसम्बजर, 2021 को छूटी तथा 27 एवं 28 दिसम्बशर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 12919 डॉ. अम्बेडकर नगर- श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा मालवा एक्सप्रेस नई दिल्ली9 स्टेशिन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

☐ 26 दिसम्बजर, 2021 को छूटी तथा 27 दिसम्बकर, 2021 ट्रेन नंबर 12471 बांद्रा टर्मिनस – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्वराज एक्सप्रेस नई दिल्लीर स्टे शन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

☐ 27 दिसम्बजर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 22941 इंदौर – उधमपुर एक्सप्रेस लुधियाना जं. पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

☐ 28 दिसम्बजर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 12475 हापा – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस नई दिल्लीब स्टेहशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी।

☐ 27 एवं 28 दिसम्बवर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 19224 जम्मू तवी – अहमदाबाद एक्सप्रेस भटिंडा स्टेकशन से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

☐ 27 दिसम्बरर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 12926 अमृतसर-बांद्रा टर्मिनस पश्चिम एक्सप्रेस धुरी स्टेशन से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

☐ 28 दिसम्बरर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 12926 अमृतसर-बांद्रा टर्मिनस पश्चिम एक्सप्रेस चंडीगढ़ स्टे शन से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

☐ 27 दिसम्बसर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन संख्याक 19028 जम्मू तवी – बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस धुरी जं. स्टे2शन से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

☐ 27 एवं 28 दिसम्बिर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 12904 अमृतसर- मुंबई सेंट्रल गोल्डशन टेम्परल मेल लुधियाना जं. स्टेनशन से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

☐ 27 एवं 28 दिसम्बार, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ाडॉ.अम्बेडकर नगर मालवा एक्सप्रेस नई दिल्लीद स्टे शन से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी।

☐ 27 दिसम्बसर, 2021 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 12476 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा -हापा एक्सप्रेस नई दिल्ली2स्टेटशन से शॉर्टओरिजिनेट होगी।

किसान आंदोलन के चलते 28 दिसम्बर की हापा-कटरा एक्सप्रेस नई दिल्ली तक जाएगी

नई दिल्ली तक जाएगी उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल में किसान आंदोलन के कारण कुछ ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट तथा तदानुसार शॉर्ट ओरिजिनेट किया गया है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार इन प्रभावित ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

शॉर्ट-टर्मिनेशन/शॉर्ट-ओरिजिनेशन होने वाली ट्रेनें:

ङ 27 दिसम्बर, 2021 की ट्रेन नंबर 12476 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-हापा एक्सप्रेस अम्बाला स्टेशन से शॉर्ट-ओरिजिनेट होगी। इस तरह यह ट्रेन अम्बाला से लेकर हापा तक चलेगी और कटरा-अम्बाला के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

ङ 28 दिसम्बर, 2021 की ट्रेन नंबर 12475 हापा-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस नई दिल्ली स्टेशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट होगी। इस तरह यह ट्रेन हापा से लेकर नई दिल्ली तक चलेगी और नई दिल्ली-कटरा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R